

प्रतिष्ठित सेवाओं में भर्ती करता है यूपीएससी

परिचय : संघ लोक सेवा आयोग एक संवैधानिक संस्था है जो केन्द्र सरकार के अधीन राजपत्रित पदों पर भर्ती एवं पदोन्नति प्रक्रिया के लिए अधिकृत है। आयोग द्वारा केन्द्र सरकार के अधीन विभिन्न पदों के लिए की जाने वाली भर्तियों एवं सेवाओं का विवरण इस प्रकार है।

2.1 अखिल भारतीय सेवाएँ एवं केन्द्रीय सेवाएँ

2.2 भारतीय वन सेवा

2.3 भारतीय इंजीनियरिंग सेवा

2.4 संयुक्त चिकित्सा सेवा, भारतीय आर्थिक सेवा और भारतीय सांख्यिकी सेवा

2.5 एन.डी.ए. एवं एन.ए. परीक्षा –इनका विवरण आगे के अध्याय में दिया गया है।

2.6 संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा–इनका विवरण आगे के अध्याय में दिया गया है।

इन सेवाओं में भर्ती की वर्तमान प्रक्रिया इस प्रकार है—

2.1 अखिल भारतीय सेवाएँ एवं केन्द्रीय सेवाएँ

2.1.1 परिचय— भारत सरकार के अधीन प्रतिष्ठित, प्रभावशाली एवं जनसेवा के अवसरों से परिपूर्ण सेवाओं में अखिल भारतीय सेवाएँ यथा भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय वन सेवा तथा केन्द्रीय सेवाएँ भारतीय विदेश सेवा, भारतीय राजस्व सेवा, भारतीय सीमा शुल्क एवं उत्पाद सेवा आदि अग्रणी है। लोक सेवक बनने के इच्छुक प्रत्येक अभ्यर्थी का यह सपना होता है कि वह भारतीय सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा या अन्य केन्द्रीय सेवाओं में चयनित होकर शासन प्रशासन का हिस्सा बनकर लोक कल्याण के सुअवसर को प्राप्त कर जन सेवा करे। इन अखिल भारतीय सेवाओं एवं केन्द्रीय सेवाओं में अधिकारी बनने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष भारतीय सिविल सेवा परीक्षा के अलावा कई अन्य परीक्षाओं का भी आयोजन किया जाता है। आयोग (UPSC)द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से चयन प्रक्रिया का विवरण निम्नानुसार है :-

सिविल सेवा परीक्षा {Civil Service Examination (C.S.E.)} परिचय : यह परीक्षा प्रतिवर्ष निम्न सेवाओं या पदों के लिए योग्य अभ्यर्थियों के चयन के लिए आयोजित होती है जिसे सामान्य बोल चाल की भाषा में आई.ए.एस. परीक्षा कहते हैं।

1. भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) : भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित अधिकारी विभिन्न राज्य केडर में सेवाएँ देते हैं। ये अधिकारी L.B.S. N.A.A. (Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration)मंसूरी में प्रशिक्षण के बाद जिलों में नियुक्त होते हैं तत्पश्चात जिला कलक्टर (DM) एवं विभिन्न विभागों में सचिव, शासन सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं मुख्य सचिव के पद पर नियुक्त होते हैं। ये अधिकारी केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों में प्रतिनियुक्ति पर सेवाएँ देते हैं जहाँ केबिनेट सचिव पद तक नियुक्ति मिलती है।
2. भारतीय विदेश सेवा (IFS) : इस सेवा में चयनित अभ्यर्थी भारत के विदेश मंत्रालय तथा विदेशों में स्थापित भारतीय दूतावासों के कार्यालयों में सेवाएँ देते हैं।
3. भारतीय पुलिस सेवा (IPS) : भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी L.B.S. N.A.A. मंसूरी में प्रारम्भिक प्रशिक्षण तथा राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (National Police Academy) हैदराबाद में विभागीय प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। प्रशिक्षण के बाद जिलों में पुलिस अधीक्षक, उप महानिरीक्षक पुलिस, महानिरीक्षक पुलिस, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एवं पुलिस महानिदेशक तक के पदों पर पदोन्नति प्राप्त करते हैं। ये अधिकारी केन्द्र सरकार में CBI, IB, CAPF में प्रतिनियुक्ति पर भी जाते हैं जहाँ इन संगठनों में महानिदेशक पुलिस पद तक नियुक्त होते हैं।
4. भारतीय राजस्व सेवा (IRS) (Customs and Central Excise) (Group A) : इनकी नियुक्ति अखिल भारतीय स्तर पर केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क कार्यालयों में अधिकारी स्तर पर नियुक्ति होती है।
5. भारतीय राजस्व सेवा (IRS) (Income Tax) (Group A): इस सेवा में चयनित अधिकारियों को अखिल भारतीय स्तर पर आयकर कार्यालयों में प्रारम्भ में सहायक कमिश्नर नियुक्त किया जाता है जिनकी पदोन्नति उप आयुक्त, संयुक्त आयुक्त, अतिरिक्त आयुक्त आदि पर होती है।
6. भारतीय लेखा एवं वित्त सेवा (Group A)
7. भारतीय अंकेक्षण एवं लेखा सेवा (Group A)
8. भारतीय रक्षा लेखा सेवा (Group A)
9. भारतीय ऑर्डिनेंस फैक्ट्री सेवा (Group A)
10. भारतीय डाक सेवा (Group A)
11. भारतीय लोक लेखा सेवा (Group A)

12. भारतीय रेल्वे ट्रॉफिक सेवा (Group A)
13. भारतीय रेल्वे लेखा सेवा (Group A)
14. भारतीय रेल्वे कार्मिक सेवा (Group A)
15. सहायक सुरक्षा कमिश्नर (रेल्वे संरक्षण बल) (Group A)
16. भारतीय रक्षा सम्पत्ति सेवा (Group A)
17. भारतीय सूचना सेवा (Group A)
18. भारतीय व्यापार सेवा (Group A)
19. भारतीय कार्पीरेट कानून सेवा (Group A)
20. दिल्ली, अण्डमान निकोबार दीप समूह, लक्ष्य दीप, दमन दीव, दादर नगर हवेली सिविल सेवा (Group B) केन्द्रीय शासित प्रदेशों में उच्च प्रशासनिक पदों पर इस सेवा के अधिकारी सेवाएँ देते हैं।
21. दिल्ली, अण्डमान निकोबार दीप समूह, लक्ष्य दीप, दमन दीव, दादर नगर हवेली पुलिस सेवा (Group B) केन्द्रीय शासित प्रदेशों में पुलिस सेवा में उच्च पदों पर इस सेवा के अधिकारी सेवाएँ देते हैं।
22. पांडिचेरी सिविल सेवा (Group B)
23. पांडिचेरी पुलिस सेवा (Group B)

2.1.2 भर्ती प्रक्रिया—

2.1.2.1 आवेदन के लिए पात्रता :—

(1) नागरिकता	भारत सरकार एवं राज्य सरकारों के अधीन समस्त सरकारी पदों हेतु भारत का नागरिक होना अनिवार्य भर्ता हैं लेकिन अधिकतर पदों में नेपाल या भूटान के नागरिक भी पात्र होते हैं इसलिए नागरिकता की पात्रता के संबंध में आगे के अध्याय में बार-बार उल्लेख नहीं किया जाएगा।
(2) आयु	न्यूनतम 21 वर्ष एवं अधिकतम 32 वर्ष आयु। उस परीक्षा वर्ष में 01 अगस्त को होनी चाहिए। ऊपरी आयु सीमा में एससी/एसटी अभ्यर्थी को 5 वर्ष, ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थी को 3 वर्ष, भूतपूर्व सैनिकों या अधिकारियों को शर्तों के साथ 5 वर्ष, दिव्यांग अभ्यर्थियों को भी शर्तों के साथ 10 वर्ष की अधिकतम छूट देय है जिनका विस्तृत विवरण आयोग यू0पी0एस0सी(U.P.S.C.)के नोटिफिकेशन में अंकित होता है।
(3) शैक्षणिक योग्यता	अभ्यर्थी किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री धारक होना चाहिए। डिग्री कोर्स में अध्ययनरत अभ्यर्थी आवेदन के पात्र हैं लेकिन मुख्य परीक्षा में प्रविष्ट होने से पूर्व स्नातक उत्तीर्ण हो।
(4) परीक्षाका अवसर	सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए छः अवसर एवं ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए अधिकतम 9 अवसर दिए जाएंगे। एससी/एसटी के अभ्यर्थी के लिए परीक्षा में बैठने के लिए अवसर की सीमा नहीं है। किसी अभ्यर्थी का प्रारम्भिक परीक्षा के एक या दोनों प्रश्न पत्र की परीक्षा देने पर एक अवसर गिना जाएगा।

2.1.2.2 आवेदन प्रक्रिया एवं परीक्षा कार्यक्रम :— संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष मार्च माह में नोटिफिके इन जारी किया जाकर ऑनलाइन आवेदन पत्र आयोग की वेबसाइट www.upsconline.nic.in पर आमंत्रित किए जाते हैं। प्रारम्भिक परीक्षा सामान्यतः जून माह में, मुख्य परीक्षा सितम्बर—अक्टूबर माह में और साक्षात्कार फरवरी से अप्रैल माह में आयोजित कर प्रतिवर्ष निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भर्ती प्रक्रिया सम्पन्न की जाती है।

2.1.2.3 सिविल सेवा परीक्षा (C.S.E.) आयोजन प्रक्रिया : सिविल सर्विस परीक्षा के मुख्यतः दो चरण होते हैं।

(क) प्रथम चरण : प्रारम्भिक परीक्षा

(ख) द्वितीय चरण : मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार

(क) प्रथम चरण सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा : इस परीक्षा से मुख्य परीक्षा हेतु योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाता है। इसके अंक केवल क्वालिफाई होते हैं। इन्हें मुख्य परीक्षा के अंकों में नहीं जोड़ा जाता है।

1. इस चरण में दो अनिवार्य प्रश्न पत्र होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र 200—200 अंक का होगा जिनकी अवधि दो घंटे होगी।
2. दोनों प्रश्न पत्र में बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे एवं प्रश्न पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होंगे।
3. द्वितीय प्रश्न पत्र क्वालिफाई होगा जिसमें न्यूनतम क्वालिफाई अंक 33 प्रतिशत निर्धारित है।
4. प्रथम प्रश्न पत्र में प्राप्त अंकों की मेरिट के आधार पर मुख्य परीक्षा हेतु अभ्यर्थी पात्र घोषित होंगे।
5. दोनों प्रश्न पत्र में गलत उत्तर के लिए एक तिहाई अंक काटे जाएंगे।

प्रारम्भिक परीक्षा का प्रारूप

प्रश्न पत्र	प्रश्न पत्र का नाम	प्रश्न संख्या	कुल अंक	विवरण
-------------	--------------------	---------------	---------	-------

पहला	सामान्य अध्ययन	100	200	1. प्री परीक्षा में इन अंकों के आधार पर उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
दूसरा	सिविल सर्विस एप्टीट्यूड टेस्ट (CSAT)	80	200	2. क्वालिफाइंग परीक्षा जिसमें प्रत्येक अभ्यर्थी का पात्रता हेतु 33 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य हैं।

“यदि आप खुद हाल जीवन जीना चाहते हैं तो उसे एक लक्ष्य से बाँधें, लोगों या चीजों से नहीं।”

—अलबर्ट आइंस्टीन

2.1.2.4 सिविल सेवा प्रारम्भिक परीक्षा हेतु रणनीति

1. लक्ष्य निर्धारण एवं मन की जीत :-सिविल सेवा की तैयारी की चाह रखने वाले अभ्यर्थियों को इस परीक्षा में सफलता अर्जित करने के लिए सर्वप्रथम स्वयं को मानसिक रूप से तैयार करना होगा कि उन्हें यह लक्ष्य हासिल करना है चाहे इसके लिए उन्हें कितना ही त्याग या कितनी भी मेहनत करनी पड़े। चाहे कितनी मुश्किलें आए, चाहे एक दो बार असफलता हाथ लगे, चाहे उसके बारे में देखने-सुनने वाले कोई भी टिप्पणी करे लेकिन वह अपनी मंजिल के मार्ग से विचलित नहीं होगा और एक दिन जरूर-जरूर सफल होगा ये दृढ़ संकल्प लेना है एवं आत्मविश्वास खुद में पैदा करना है तो कम से कम मानसिक रूप से तो हम इसके लिए तैयार हो जाएंगे एवं यही कामयाबी का बीज मंत्र है। उन सेवाओं के सपने देखें एवं अपने अवचेतन मन में सफल होने के बाद की स्थितियों-दृश्यों का अनुभव करें। यह प्रक्रिया आपको निरंतर प्रेरित करेगी एवं आप उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर कोशिश जारी रखेंगे। सबसे पहले मन में जीत हासिल करनी है यदि यह हो गया तो समझो आधी जंग जीत ली।

2. तैयारी की कार्य योजना :-सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से चयनित होकर प्रशासक बनने का लक्ष्य निर्धारित करने के बाद मानसिक रूप से तैयार होकर सिविल सेवा के आकांक्षी को आयोग (UPSC) की वेबसाइट से हिन्दी एवं अंग्रेजी में प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा के नवीनतम पाठ्यक्रम को डाउनलोड करके उसका प्रिंट प्राप्त कर उसका अध्ययन करना है। पहले प्रारम्भिक परीक्षा के दोनों प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम का अध्ययन एवं मनन करें। प्रारम्भिक परीक्षा के दोनों प्रश्नपत्र का अलग-अलग परिचय एवं तैयारी की कार्ययोजना इस प्रकार है—

(क) प्रारम्भिक परीक्षा के प्रथम प्रश्नपत्र की तैयारी

पाठ्यक्रम— सामान्य अध्ययन (प्रथम प्रश्नपत्र) के पाठ्यक्रम में निम्न सात मुख्य विषय हैं।

- ❖ भारत का इतिहास और राष्ट्रीय आंदोलन (History of India and Indian National Movement)
- ❖ भारत एवं विश्व का भूगोल: भारत एवं विश्व का प्राकृतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल (Indian and World Geography - Physical, Social, Economic Geography of India and the World)
- ❖ भारतीय राज्यतंत्र और भासन-संविधान, राजनीतिक प्रणाली, पंचायती राज, लोकनीति, अधिकारों संबंधी मुद्दे इत्यादि (Indian Polity and Governance - Constitution, Political System, Panchayati Raj, Public Policy, Rights Issues etc)
- ❖ आर्थिक और सामाजिक विकास—सतत विकास, गरीबी, समावेशन, जनसांख्यिकी, सामाजिक क्षेत्र में की गई पहल आदि (Economic and Social Development, Sustainable Development-Poverty, Inclusion, Demographics, Social Sector initiatives etc)
- ❖ पर्यावरण पारिस्थितिकी, जैव-विविधता और जलवायु परिवर्तन संबंधी सामान्य मुद्दे जिनके लिये विषयगत विशेषता आवश्यक नहीं है। (General issues on Environmental Ecology, Bio-diversity and Climate Change - that do not require subject specialization)
- ❖ सामान्य विज्ञान (General Science)
- ❖ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व की सामयिकी घटनाएँ। (Current events of national and international importance)

(i) प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम का बहुत ही गहनता से अध्ययन करने के साथ ही आप उसे याद भी कर ले तथा इसे आपके अध्ययन कक्ष में टेबल के सामने दीवार पर लिखकर चिपका दें या आपकी टेबल के कॉच के नीचे रख दें। जब भी नोट्स बनाएँ तब आपके विषयवार नोट्स के प्रथम पेज पर पाठ्यक्रम का पेज चिपका होना चाहिए। ऐसा इसलिए करना चाहिए जिससे आपको अपना लक्ष्य एवं अध्ययन का दायरा ध्यान रहे। आप हिन्दी माध्यम से परीक्षा दे रहें तो भी पाठ्यक्रम के अंग्रेजी संस्करण को जरूर पढ़ें क्योंकि पाठ्यक्रम मूलतः अंग्रेजी में तैयार

होता है एवं हिन्दी में अनूदित होता है इसलिए अंग्रेजी एवं हिन्दी दोनों भाषाओं में पाठ्यक्रम पढ़कर समझकर आगे का सफर शुरू करें।

- (ii) पाठ्यक्रम को पूर्णतः समझने के बाद आप अगले कदम के रूप में सिविल सेवा परीक्षा के प्रथम प्रश्नपत्र के कम से कम वर्ष 2010 से अब तक के एवं अधिकतम 1996 से अब तक के प्रारम्भिक परीक्षा के हल प्रश्नपत्र जो त्रुटि रहित प्रकाशन के हो उन्हें लाएं। पूर्व के प्रश्नपत्रों में समसामयिकी के प्रश्नों के अलावा अन्य प्रश्न बहुत ही प्रासंगिक एवं मार्गदर्शक होते हैं लेकिन आप केवल प्रश्नों की प्रकृति समझने के लिए तैयारी शुरू करने से पूर्व 2-3 वर्षों के प्रश्नपत्र पढ़ें एवं पाठ्यक्रम के टॉपिकवाइज निम्न विश्लेषण को भी देख कर कार्य योजना बना सकते हैं—

सिविल सेवा प्रारम्भिक परीक्षा के प्रथम प्रश्नपत्र सामान्य अध्ययन के पाठ्यक्रम में कुल 7 टॉपिक हैं। पाठ्यक्रम के इन टॉपिक के आधार पर पिछले 7 वर्षों के प्रश्नपत्रों में से टॉपिकवाइज पूछे गए प्रश्न इस प्रकार हैं—

विषय	वर्ष 2014	वर्ष 2015	वर्ष 2016	वर्ष 2017	वर्ष 2018	वर्ष 2019	वर्ष 2020	भारांक प्रतिशत
भारतीय इतिहास एवं स्वतंत्रता संग्राम	17	14	15	11	15	17	16	15-20%
अर्थशास्त्र	10	14	20	6	13	14	14	15-20%
भारतीय संविधान एवं राजनीति	11	13	9	19	12	15	16	15-20%
पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी	16	10	14	15	11	11	8	10-12%
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	13	7	8	9	13	7	7	08-10%
समसामयिकी	19	28	27	33	28	22	25	25-30%
भारत एवं विश्व का भूगोल	14	14	7	8	8	14	14	14-15%
योग	100	100	100	100	100	100	100	

इस तुलनात्मक सारणी से यह स्पष्ट हो जाता है कि पाठ्यक्रम के 07 टॉपिक में से लगभग कितने-कितने प्रश्न पूछे जाते हैं। अभ्यर्थी जब यह जान लेता है कि किस विषय का प्रश्नपत्र में लगभग कितना भारांक होता है इसके बाद उसे प्रारम्भिक परीक्षा की कटऑफ का भी आंकलन करना चाहिए।

- (iii) सिविल सेवा प्रारम्भिक परीक्षा के पिछले 5 वर्षों की कटऑफ का तुलनात्मक विवरण निम्न तालिका में दिया गया है—

परीक्षार्थी की श्रेणी	2016	2017	2018	2019	2020
सामान्य	116	105.34	98	98	101-105
ई.डब्ल्यू.एस.	—	—	—	90	93-95
ओ.बी.सी.	110.66	102.66	96.66	95.34	95-98
एस.सी.	99.34	88.66	84	82	80-84
एस.टी.	96.10	88.66	83.34	77.32	75-78

इस तालिका के अवलोकन से स्पष्ट है पिछले 4 वर्षों में प्रारम्भिक परीक्षा के श्रेणीवार कट ऑफ में ज्यादा अन्तर नहीं है। सामान्य वर्ग में लगभग 50-55%, ई.डब्ल्यू.एस. और ओ.बी.सी. में 48-52%, एस.सी. में 40 से 45%, तथा एस.टी. में लगभग 37 से 43%, अंक के दायरे में प्रारम्भिक परीक्षा के कट ऑफ अंक प्रतिशत हैं। यह परीक्षा केवल क्वालिफाईंग परीक्षा है इसलिए इसमें सामान्यतः औसत कटऑफ से अधिकतम 5 से 7% अधिक अंक लाने का लक्ष्य बनाकर तैयारी करनी चाहिए क्योंकि यहाँ टॉप करने के बजाय क्वालिफाईंग ही करना है।

- (iv) सिविल सेवा के प्रथम प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम, प्रश्नपत्र प्रारूप, विषयवार प्रश्न, अंक प्रतिशत तथा कट ऑफ को समझने के बाद अभ्यर्थी को विभिन्न विषयों के लिए मानक पुस्तकों का चयन करना चाहिए। यहाँ

पर ध्यान रखने योग्य बात यह है कि विषयवार पुस्तकों का चयन सफल अभ्यर्थियों एवं इस क्षेत्र में अनुभवी व्यक्तियों से चर्चा करने के बाद स्वविवेक से करना चाहिए। एक बार पुस्तकों के चयन के बाद उनमें ज्यादा परिवर्तन नहीं करना है एवं ना ही एक विषय की अलग-अलग लेखकों की संदर्भ पुस्तकें लानी है। इन पुस्तकों का चयन प्रारम्भिक परीक्षा के प्रथम प्र नपत्र, मुख्य परीक्षा के सामान्य अध्ययन के अनिवार्य प्र नपत्र तथा ऐच्छिक विषय को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। प्रारम्भिक परीक्षा के लिए कतिपय पुस्तकों की सूची आगे इसी अध्याय में दी गई है।

- (v) **प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी:**—(एन.सी.ई.आर.टी पुस्तकों का अध्ययन) अभ्यर्थी किसी भी संकाय (कला व मानविकी, विज्ञान, वाणिज्य, मेडिकल, आईटी) से डिग्री धारक हो लेकिन उसे इस परीक्षा की तैयारी की शुरुआत सामान्यतः एनसीईआरटी की पुस्तकों के अध्ययन से करनी चाहिए। जो अभ्यर्थी कला एवं मानविकी भौक्षिक पृष्ठभूमि से हैं एवं स्नातक डिग्री कोर्स में भी उनके इतिहास, भूगोल, राजनीति, अर्थ शास्त्र आदि विषय रहें हो तो वे 11वीं एवं 12वीं की उक्त विषयों की एनसीईआरटी की पुरानी (इतिहास) एवं नयी (अन्य विषय) पाठ्यपुस्तकों का जरूर अध्ययन करें। वहीं जो अभ्यर्थी अन्य संकायों से डिग्री धारक हैं उन्हें कतिपय विषय (भूगोल, इतिहास) की कक्षा 6 से एवं शेष विषयों की कक्षा 9वीं से 12वीं तक की एनसीईआरटी की पुस्तकों का शुरु में जरूर अध्ययन करना चाहिए। एनसीईआरटी की पुस्तकों में विषयों का आधारभूत ज्ञान, बहुत ही सरल एवं बोधगम्य भाषा में दिया हुआ है। इनमें कहानी के रूप में विषय वस्तु को पेश किया गया है जो आसानी से समझ में आती हैं। दो से तीन बार इन पुस्तकों का अध्ययन करके महत्वपूर्ण बिन्दुओं को चिह्नित (Highlight/Underline) करना चाहिए। इसके बाद समय हो तो नोट्स जरूर बनाने चाहिए ताकि परीक्षा से पूर्व सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का रीविजन करने में बहुत कम समय लगेगा। मानविकी एवं कला या वाणिज्य संकाय के अभ्यर्थियों को विज्ञान विषय की एनसीईआरटी कक्षा 06 से 10 तक की पुस्तकें पढ़नी चाहिए। वहीं कक्षा 11वीं एवं 12वीं की विज्ञान की पुस्तकों के केवल पारिस्थितिकी तथा प्रौद्योगिकी संबंधी टॉपिक का अध्ययन किया जाना चाहिए।
- (vi) **सन्दर्भ पुस्तकों का अध्ययन**—एनसीईआरटी पुस्तकों का अध्ययन करने के बाद अभ्यर्थी को प्रत्येक विषय की सन्दर्भ पुस्तकों का अध्ययन करते हुए इन विषयों पर पकड़ मजबूत करनी चाहिए। सिविल सेवा के प्रथम प्र नपत्र के देखने पर पाया गया है कि इसमें सीधे एवं सरल प्र न जिनमें सीधे चार विकल्प हैं बहुत कम पूछे जाते हैं। इस प्र नपत्र में कथन—कारण, चार कथनों में से सही या गलत कथन के समूह का चयन, विभिन्न तथ्यों का मिलान करना आदि स्नातक स्तरीय प्र न पूछे जाते हैं जिनके लिए भी वि शेष तैयारी करनी चाहिए। यदि समय हो तो प्रारम्भिक परीक्षा के लिए भी विषयवार जरूर नोट्स बनाने चाहिए।
- (vii) **प्रारम्भिक परीक्षा के प्र नपत्र में इतिहास, भूगोल, राजनीति एवं अर्थ शास्त्र** इन चार विषयों से लगभग 50–60% प्र न पूछे जाते हैं। यदि कोई विद्यार्थी कला एवं मानविकी से स्नातक डिग्री धारी है तो उसके द्वारा 10+2 एवं डिग्री कोर्स में इनमें से एक से लेकर अधिकतम तीन विषयों का अध्ययन जरूर किया गया होगा। ऐसे अभ्यर्थियों को इनमें से किसी एक विषय को ऐच्छिक विषय के रूप में चुनाव किया जाना चाहिए। वहीं ये चारों विषय मुख्य परीक्षा के प्र नपत्र में भी शामिल हैं इसलिए इस संकाय का अभ्यर्थी सामान्य अध्ययन के प्र नपत्र की तैयारी में ही अन्य संकाय के अभ्यर्थियों से सामान्यतः लाभ में रहता है। उसे प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के अभ्यर्थी प्रथम प्र नपत्र के पाठ्यक्रम में से विषय एवं विशेष टॉपिक (Selected Subject & Selected Topics) का तरीका अपना सकते हैं। यद्यपि विनम्र राय यह है कि किसी भी विषय को अच्छा नहीं छोड़ा जा सकता है क्योंकि ये सभी विषय एवं टॉपिक प्रारम्भिक के साथ मुख्य परीक्षा के अनिवार्य प्र नपत्रों में शामिल हैं लेकिन प्रारम्भिक परीक्षा के लिए विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय वाले अभ्यर्थी थोड़े सेलेक्टिव हो सकते हैं।

प्रारम्भिक परीक्षा के प्र नपत्र में समसामयिकी से लगभग 25 से 30% प्र न पूछे जाते हैं यह बहुत बड़ा भाग है वहीं मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार के दृष्टिकोण से भी समसामयिकी महत्वपूर्ण है। समसामयिकी को अच्छी तरह से तैयार करने के लिए पूर्व के अध्याय में विस्तार से बताया गया है, उसका अध्ययन करें।

(ख) द्वितीय प्र नपत्र सीसेट (CSAT) की तैयारी

सिविल सेवा प्रारम्भिक परीक्षा के द्वितीय प्र नपत्र सीसेट (CSAT) के अंक क्वालिफाईंग मेरिट में नहीं जोड़े जाते हैं लेकिन यह प्र नपत्र क्वालिफाईंग है एवं इस हेतु 33 प्रति ात अंक लाना अनिवार्य है अन्यथा मुख्य परीक्षा हेतु पात्रता हासिल नहीं होगी चाहे प्रथम प्र नपत्र में कितने ही अंक हो इसलिए इस प्र नपत्र को बहुत ही हल्के में लेते हुए इसके प्रति लापरवाह नहीं होना है। इसके लिए क्वालिफाईंग अंक प्राप्त करने की रणनीति के वे ही चरण (Steps) हैं जो प्रथम प्र नपत्र में विस्तार से दिए गए हैं जिनका संक्षिप्त विवरण पुनः दिया जा रहा है—

- (1) **पाठ्यक्रम समझना :** सबसे पहले प्र नपत्र का पाठ्यक्रम हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों संस्करण में पढ़कर प्रत्येक टॉपिक को समझें क्योंकि प्रथम प्र नपत्र के पाठ्यक्रम की तुलना में इसका पाठ्यक्रम अलग है वहीं इनके टॉपिक्स का दायरा भी बढ़ा है इसलिए पहले पाठ्यक्रम समझना जरूरी है।

द्वितीय प्र न पत्र –सीसैट (CSAT)		
पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम हेतु पुस्तकें	
1. बोधगम्यता (Comprehension) 2. संचार कौशल सहित अंतर-वैयक्तिक कौशल (Interpersonal skills including communication skills) 3. तार्किक कौशल एवं विश्लेषणात्मक क्षमता (Logical reasoning and analytical ability) 4. निर्णय लेना और समस्या समाधान (Decision-making and problem-solving) 5. सामान्य मानसिक योग्यता (General mental ability) 6. आधारभूत संख्ययन (संख्याएँ और उनके संबंध, विस्तार-क्रम आदि) (दसवीं कक्षा का स्तर), आंकड़ों का निर्वचन (चार्ट, ग्राफ, तालिका, आंकड़ों की पर्याप्तता आदि-दसवीं कक्षा का स्तर) [Basic numeracy (numbers and their relations, orders of magnitude, etc.) (Class X level), Data interpretation (charts, graphs, tables, data sufficiency etc. (Class X level)]	1. मात्रात्मक योग्यता – आर.एस. अग्रवाल 2. क्रैकिंग सीसैट-अरिहन्त प्रकाशन 3. पूर्व के वर्षों की परीक्षा के सॉल्व्ड पेपर	1. CSAT Book-Cracking CSAT (Arihant Publication) 2. Verbal and Non Verbal Reasoning- R.S. Agrawal 3. Quantitative Aptitude- R.S. Agrawal 4. Reading Comprehension- Wren & Martin

- (2) **पूर्व के वर्षों के प्र न पत्रों का अध्ययन :** यह प्र नपत्र 200 अंक का है जिसमें 02 घण्टे में 80 प्र न हल करने होते हैं यद्यपि सभी प्र न बहुविकल्पीय प्रकृति (MCQ) के हैं लेकिन प्र नों की प्रकृति एवं स्वरूप अलग हैं। इसके लिए सीसैट लागू होने से अब तक (वर्ष 2011 से 2020 तक) के प्र नपत्रों का विश्लेषण से अंग्रेजी विषय के 20 प्र न हटाने के बाद वर्ष 2014 से अबतक के प्र नपत्रों का अध्ययन करते हुए प्र नों का स्वरूप समझना चाहिए तथा टॉपिक वाइज पूछे गए प्र नों के इस तुलनात्मक विवरण का भी अध्ययन करना चाहिए यथा—

सीसैट प्रश्नपत्र के 2014 से 2020 तक के प्रश्नों का टॉपिक के मुताबिक तुलनात्मक विवरण

विषय (Topics)	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020
1. अनुच्छेद बोधगम्यता (Reading Comprehension)	32	30	27	30	26	30	25
2. तार्किक क्षमता कौशल एवं विश्लेषणात्मक क्षमता (Reasoning & Analytical ability)	28	28	25	25	21	25	12
3. गणित (Basic Numeracy)	14	19	28	25	19	25	42
4. आंकड़ों का निर्वचन आदि (Data Interpretation)	6	3	—	—	14		01
योग	80	80	80	80	80	80	80

- (3) पूर्व के वर्षों में पूछे गए प्र नों का टॉपिक के अनुसार मोटे तौर पर विभाजन करने एवं वर्षवार अध्ययन से पाया गया है कि इस प्र नपत्र को उत्तीर्ण करने के लिए यदि सटीक रणनीति से काम लिया जावे तो अभ्यर्थी इस प्र न पत्र को उत्तीर्ण कर सकता है। इसके लिए उसे पूर्ण पाठ्यक्रम के प्रत्येक टॉपिक को पढ़ने की जरूरत नहीं है उसे चयनित (Selected) एवं स्मार्ट (Smart) अध्ययन करना है। प्र नपत्र में क्वालिफाई करने के लिए न्यूनतम 27 प्र न (66.67 अंक) सही होने चाहिए तथा अभ्यर्थी को कटऑफ से ऊपर सुरक्षित क्षेत्र (Safe Zone) में आने के लिए न्यूनतम 35 प्र न ऋणात्मक अंकन के बाद सही करने हैं और अधिकतम 40 प्र न किए जा सकते हैं। अभ्यर्थी को इसी के मुताबिक अध्ययन योजना बनानी है। अभ्यर्थी की भौक्षिक पृष्ठभूमि के आधार यह प्र नपत्र व्यक्ति : थोड़ा कठिन या सरल सकता है दूसरी ओर यह प्र नपत्र माध्यम के दृष्टिकोण से भी हिन्दी माध्यम के बजाय अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए थोड़ा अनुकूल है।

इसमें अनुच्छेद बोधगम्यता, गणित एवं तर्कक्षमता कौशल में से कोई दो टॉपिक का अध्ययन करते हुए 30–35 प्रश्नों को हल करते हुए आसानी से क्वालिफाई किया जा सकता है।

- (4) प्रश्नपत्र के तीन मुख्य टॉपिक को आसानी से समझने एवं उनके प्रश्नों को हल करने के लिए निम्न बातें ध्यान रखने योग्य हैं—
- (a) **बोधगम्यता (Reading Comprehension)**—इस टॉपिक से लगभग 25–30 प्रश्न प्रतिवर्ष पूछे जाते हैं। यद्यपि प्रश्नपत्र के कुल 80 प्रश्नों के अनुसार समय विभाजन किया जावे तो प्रति प्रश्न 1 मिनट 30 सैकण्ड प्राप्त होते हैं इतने कम समय में अनुच्छेद के प्रश्न हल होना कठिन है एवं सभी 80 प्रश्न अटैण्ड भी नहीं किए जाने सकते हैं। सामान्यतः कुल प्रश्नों में से लगभग 50 प्रश्न अटैण्ड किए जा सकते हैं तो प्रति प्रश्न 2 से 3 मिनट हल करने के लिए मिलेंगे जो पर्याप्त समय है। इस भाग के लिए पूर्व के वर्षों के सभी प्रश्नपत्रों के प्रश्न निर्धारित समयावधि में हल करने का प्रयास करने से सटीकता के साथ हल करने का कौशल आएगा। इसके अलावा हिन्दी एवं अंग्रेजी के समाचार पत्र के सम्पादकीय, भाष्य पत्रिकाओं आदि को पढ़ने समझने का अभ्यास करें। इस भाग में प्रवीणता के लिए अधिक से अधिक अनुच्छेद हल करने का अभ्यास किया जाना चाहिए।
- (b) **गणित**— इस भाग से भी 25–30 प्रश्न औसतन पूछे जाते हैं लेकिन वर्ष 2020 में 42 प्रश्न पूछे गए थे। यह विषय भी अभ्यर्थी की भौक्षणिक पृष्ठभूमि एवं रुचि से ज्यादा संबंध रखता है हालांकि इसमें कक्षा 10वीं के स्तर की गणित पूछी जाती है जो ज्यादा कठिन नहीं होती है। अभ्यर्थी की गणित में रुचि है तथा 10+2 एवं डिग्री लेवल पर इस विषय का अध्ययन किया है तो इस भाग को अच्छी तरह से तैयार करके इसके साथ तार्किक कौशल का पाठ्यक्रम जो इससे मिलता जुलता ही है दोनों तैयार किया जाने चाहिए। इन दोनों भाग से लगभग 60% प्रश्न पूछे जाते हैं केवल इन दोनों भागों में अच्छी तैयारी से यह प्रश्नपत्र क्वालिफाई किया जा सकता है। दूसरी ओर वे अभ्यर्थी जिन्होंने दसवीं के बाद गणित का अध्ययन नहीं किया है वे इस भाग के सरल टॉपिक यथा प्रतिशत, अनुपात-समानुपात, औसत, लाभ-हानि, समय-चाल, दूरी, साधारण एवं चक्रवृद्धि ब्याज, समय एवं कार्य आदि का अध्ययन करके इसे आसानी से तैयार किया जा सकता है। इस हेतु एनसीईआरटी (NCERT) की गणित तथा आर.एस. अग्रवाल की पुस्तक बहुत उपयोगी रहेगी जिनमें से चयनित टॉपिक के प्रश्नों का अधिकाधिक अभ्यास करना है। परीक्षा के पूर्व के प्रश्नपत्र में आए प्रश्नों तथा आयोग की अन्य परीक्षाओं (एन.डी.ए.) से आए प्रश्नों को भी हल करके अभ्यास किया जाना चाहिए जिससे इस भाग के कुल प्रश्नों में से आधे से अधिक प्रश्न हल किए जा सकें।
- (c) **तर्ककौशल एवं विलेखनात्मक क्षमता**— इस भाग से भी 25–30 प्रश्न प्रतिवर्ष पूछे जाते हैं इस भाग के प्रश्नों के उत्तर में गणित की तरह सटीकता होने के कारण अभ्यास से अधिकांश प्रकार के प्रश्नों पर पकड़ मजबूत बनाकर अच्छे अंक लाए जा सकते हैं। इस हेतु सीसैट की पूर्व की परीक्षाओं के प्रश्नपत्र के प्रश्न, एन.डी.ए. सहायक कमाण्डेन्ट सहित आयोग की अन्य परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्न आदि को हल करें। साथ ही आर.एस. अग्रवाल की या अन्य स्तरीय पुस्तक से विषय वस्तु को समझकर अधिक से अधिक अभ्यास करें। इस भाग हेतु भी समय प्रबंधन महत्वपूर्ण होता है इसलिए जो प्रश्न अपने स्तर से कठिन हैं उन पर समय व्यतीत करने के बजाय हल होने योग्य प्रश्नों पर समय एवं श्रम लगाये ताकि उन का वांछित परिणाम मिल सके।
- (d) **आँकड़ों का निर्वचन (Data Interpretation etc.)**—इस भाग में पूछे जाने वाले प्रश्नों की संख्या में अनिश्चितता रहती है लेकिन पूर्व के तीन मुख्य भागों पर अच्छी पकड़ रखने वाले अभ्यर्थी इस भाग को आसानी से छोड़ सकते हैं लेकिन अन्य अभ्यर्थियों को पूर्व के वर्षों के प्रश्नपत्र से इस तरह के प्रश्नों का स्वरूप समझकर हल करने का अभ्यास करना चाहिए जिस तरह 2018 में 14 प्रश्न पूछे थे उसी तरह कभी भी इतने प्रश्न पूछे लिए जाने पर प्रश्नपत्र हल करने में थोड़ी मुश्किल हो सकती है इसलिए स्तरीय पुस्तक से इसकी भी तैयारी करनी चाहिए।
- (5) इस प्रश्नपत्र की तैयारी हेतु यदि कोई अभ्यर्थी अलग-अलग पुस्तकें न लाकर एक ही पुस्तक से अध्ययन करना चाहता है तो टी.एम.एच. प्रकाशन या अरिहंत प्रकाशन की सीसैट गाइड में से कोई एक पुस्तक का चुनाव करके उससे भी आसानी से तैयारी कर सकता है। ये पुस्तकें एवं पूर्व के वर्षों के प्रश्नपत्र भी तैयारी हेतु पर्याप्त हैं।
- (6) अभ्यर्थी सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र को अधिक समय देकर इस प्रश्नपत्र (सीसैट) की उपेक्षा करते हैं जबकि ऐसा नहीं करने के बजाय प्रारम्भिक परीक्षा के लिए निर्धारित समय में से निरंतर एक चौथाई समय इस प्रश्नपत्र की तैयारी हेतु दिया जाना चाहिए।
- (7) **पूर्व के वर्षों के प्रश्नपत्र हल करना एवं मॉक टेस्ट देना**—परीक्षा की तैयारी के साथ-साथ अपनी तैयारी के स्तर को परखने तथा तैयारी में रही कमियों का पता लगाने हेतु समय-समय पर पहले टॉपिक एवं विषय

वार तथा सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तैयार होने के बाद पूर्व के वर्शों के प्र नपत्र तथा मॉडल प्र नपत्र हल करने चाहिए। विभिन्न चैनल, वेबसाइट या कोचिंग संस्थाओं के ऑनलाइन प्र नपत्र को हल करना चाहिए।

“धीरे-धीरे, कदम-दर-कदम, मैं अपने लक्ष्यों और अपने सपनों तक पहुँचूँगा।”

—जोना जेडरजेक

2.1.2.5 सिविल सेवा मुख्य परीक्षा के लिए रणनीति

प्रारम्भिक परीक्षा के द्वितीय प्रश्नपत्र को क्वालिफाई (न्यूनतम 33%अंक) करने वाले अभ्यर्थियों की प्रथम प्रश्नपत्र के अंकों के आधार पर मेरिट बनाकर वर्ग वार रिक्त पदों के विरुद्ध आयोग के मानदण्डानुसार लगभग 15 गुना अभ्यर्थियों को द्वितीय चरण में प्रवेश दिया जाता है। इस तरह प्रारम्भिक परीक्षा के आधार पर पात्रता प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी द्वितीय चरण में मुख्य परीक्षा में शामिल होते हैं एवं मुख्य परीक्षा को उत्तीर्ण करने वाले साक्षात्कार में शामिल होते हैं। किसी अभ्यर्थी की सफलता का आधार इस चरण में शामिल दोनों परीक्षाएँ हैं इसलिए अंतिम सफलता हेतु इस चरण की रणनीति बनाकर योजनाबद्ध तरीके से की गई तैयारी सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। इस मेहनती मार्ग को चुनने वाले अभ्यर्थियों की जानकारी के लिए इस परीक्षा के आयामों को प्रस्तुत किया जा रहा है ताकि तैयारी के इच्छुक अभ्यर्थी उक्त बातों की जानकारी कर आगे बढ़ेंगे तो ये निश्चित ही लक्ष्य प्राप्ति में जरूर सहायक होंगे। द्वितीय चरण में लिखित परीक्षा (मुख्य) तथा साक्षात्कार शामिल है। विभिन्न सेवाओं एवं पदों के लिए योग्य अभ्यर्थियों का चयन इस चरण में प्राप्त मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार के अंकों के आधार पर होता है। लिखित परीक्षा (मुख्य) में दो प्रश्न पत्र (प्रश्न पत्र ए एवं बी) मात्र क्वालिफाई होते हैं जबकि मुख्य परीक्षा के भोश प्रश्न पत्रों एवं साक्षात्कार के अंकों से मेरिट बनती है।

(A) सिविल सेवा मुख्य परीक्षा के प्र नपत्र—मुख्य परीक्षा में कुल 9 प्र नपत्र होते हैं जिन्हें दो श्रेणियों में बाँटा गया है—

i. क्वालिफाईंग प्र नपत्र

ii. मेरिट में भामिल किए जाने वाले अनिवार्य एवं ऐच्छिक प्र नपत्र—

i. **क्वालिफाईंग दो प्र नपत्र—** प्रश्न पत्र A आठवीं अनुसूची में शामिल भारतीय भाषाओं में से कोई एक भाषा का प्रश्न पत्र है जैसे हिन्दी भाषा का प्र नपत्र (300 अंक) एवं प्रश्न पत्र B अंग्रेजी भाषा प्रश्न पत्र (300 अंक)। दोनों केवल क्वालिफाईंग प्रश्न पत्र होंगे जिनमें अभ्यर्थी को आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अंक दोनों विषयों में अलग-अलग 25-25 प्रतिशत अंक हासिल करने होंगे अन्यथा उसके मुख्य परीक्षा के प्रश्न पत्रों का मूल्यांकन तो होगा परन्तु इन दोनों में से एक भी प्र नपत्र में असफल अभ्यर्थी को मुख्य परीक्षा की मेरिट में शामिल नहीं किया जाएगा। इन दोनों प्र नपत्र के अंक मेरिट में नहीं जोड़े जाएँगे। इन प्रश्न पत्रों का स्तर दसवीं कक्षा के स्तर का होगा।

प्रश्न पत्र	विषय	अंक
A	कोई भी एक भाषा जो 8वीं अनुसूची में भामिल है जैसे—हिन्दी	300
B	अंग्रेजी	300

ii. **मेरिट में भामिल किए जाने वाले अनिवार्य एवं ऐच्छिक प्र नपत्र—** (i) अनिवार्य प्र नपत्र

प्रश्न पत्र	विवरण	अंक
प्रथम निबन्ध	समसामयिक या अन्य विषय आधारित दो खण्ड के 4-4 विषयों में से एक-एक विषय कुल दो विषय पर निबंध लिखने होते हैं।	250
द्वितीय सामान्य अध्ययन—I	भारतीय विरासत एवं संस्कृति, भारत एवं विश्व का इतिहास, संसार एवं भारत का भूगोल व समाज (Indian Heritage and Culture, History and Geography of World and Society)	250

तृतीय सामान्य अध्ययन-II	सुशासन, संविधान, राजनीति, सामाजिक न्याय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संबंध (Governance, Constitution, Polity, Social Justice and International Relations)	250
चतुर्थ सामान्य अध्ययन-III	प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव-विविधता, पर्यावरण सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन (Technology, Economic Development, Bio Diversity, Environment, Security and Disaster Management)	250
पंचम सामान्य अध्ययन-IV	नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा एवं अभिरुचि (Ethics, Integrity and Aptitude)	250
18	वैकल्पिक विषय प्रथम प्रश्न पत्र- अभ्यर्थी द्वारा चयनित एक विषय	250
सप्तम	वैकल्पिक विषय द्वितीय प्रश्न पत्र- अभ्यर्थी द्वारा चयनित एक विषय	250
योग		1750
छठा व सातवाँ दोनों प्रश्न पत्र अभ्यर्थी आयोग द्वारा निर्धारित विषयों की सूची में से चुने गए कोई एक विषय के होंगे ।		

1. मुख्य परीक्षा की मेरिट में शामिल किए जाने वाले ऐच्छिक प्रश्न पत्र :-

मुख्य परीक्षा के प्रश्न पत्र (छठा एवं सातवाँ ऐच्छिक विषय) के लिए आयोग ने निम्न विषय तय किए हैं :-

Agriculture	Anthropology	Botany	Statistics
Chemistry	Civil. Eng.	Electrical Engineering	Commerce & Accounting
Economics	Geography	Geology	History
Law	Management	Mathematics	Mechanical Eng.
Medical Science	Philosophy	Physics	Zoology
Psychology	Public Administration	Sociology	
Animal Husbandry and Veterinary Science		Political Science and International Relations	
निम्न में से कोई एक साहित्य : असमी, बंगाली, बोडो, डांगरी, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणीपुरी, मराठी, नेपाली, ओडिया, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलगु, उर्दू और अंग्रेजी ।			

अभ्यर्थी को ऐच्छिक विषय का चुनाव अपनी रुचि, भौक्षिक पृष्ठभूमि, पाठ्यक्रम आदि बातों को ध्यान में रखते हुए पूर्व में सफल अभ्यर्थियों, विषय विशेषज्ञों या शिक्षकों से विचार विमर्श करने, उस विषय के पूर्व के प्रश्नपत्र तथा पाठ्यक्रम का गहनता से अध्ययन करने तथा अपने परीक्षा माध्यम के अनुरूप उस विषय की सफलता का अनुपात भी देखने के बाद निर्णय करना चाहिए तथा एक बार निर्णय करने के बाद यदि आपको एक दो बार असफलता हासिल होती है लेकिन आपका विषय पर अच्छा कमाण्ड है तथा आपको स्वयं पर विश्वास है तो अपने निर्णय पर कायम रहकर तैयारी करते रहना चाहिए। विषय में बदलाव नहीं करना चाहिए। सफलता जरूर मिलेगी।

2. परीक्षा पद्धति की जानकारी प्राप्त करना : तैयारी शुरू करने से पहले मुख्य परीक्षा के सभी प्रश्न पत्र की जानकारी प्राप्त करने के बाद परीक्षा पद्धति से रूबरू होना आवश्यक है जो इस प्रकार है-

प्रश्न पत्र		प्रश्नों का विवरण	अंक	उत्तर सीमा
I-निबंध	भाग-अ	इसमें किन्हीं चार विचारात्मक साहित्यिक विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लेखन	125	1000-1200 शब्द
	भाग-ब	इसमें दिए गए किन्हीं चार समसामयिक सामाजिक, राजनीतिक, राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय विषय पर निबंध लेखन	125	1000-1200 शब्द
II-सामान्य अध्ययन-I	भाग-अ	10 प्रश्न	10	150 शब्द
	भाग-ब	10 प्रश्न	15	250 शब्द

III—सामान्य अध्ययन—II	भाग—अ	10 प्रश्न	10	150 शब्द
	भाग—ब	10 प्रश्न	15	250 शब्द
IV—सामान्य अध्ययन—III	भाग—अ	10 प्रश्न	10	150 शब्द
	भाग—ब	10 प्रश्न	15	250 शब्द
V—सामान्य अध्ययन—IV		5 प्रश्न जो दो-दो भागों में विभाजित होते हैं।	100	150 शब्द
		शेष सात प्रश्नों में एक प्रश्न 30 अंक का एवं 6 प्रश्न 20-20 अंक के पूछे जाते हैं।	150	150 से 300 शब्द
VI—एच्छिक विशय प्रथम प्रश्न पत्र	भाग—अ	4 प्रश्न (1 से 4 तक)	250	10 अंक के प्रश्न हेतु 150 शब्द 15 अंक के प्रश्न हेतु 250 शब्द एवं 20 अंक के प्रश्न हेतु लगभग 300 शब्द सीमा है।
	भाग—ब	4 प्रश्न (5 से 8 तक) प्रश्न सं. 1 एवं 5 अनिवार्य होते हैं जबकि शेष छः प्रश्नों में से प्रत्येक खंड से एक-एक प्रश्न को चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होता है इस तरह कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होते हैं।		

3. **पूर्व की परीक्षा के प्रश्नपत्र का अवलोकन** – मुख्य परीक्षा की परीक्षा पद्धति की जानकारी के बाद अभ्यर्थी को आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड करके कम से कम 5 वर्ष पूर्व तक प्रश्नपत्रों का अध्ययन करना चाहिए एवं यदि तैयारी के प्रति पूर्णतया प्रतिबद्ध है तो पिछले कम से कम 10 एवं अधिकतम 20 वर्ष (सन् 2000 से) पूर्व के सॉल्वड प्रश्नपत्र की अच्छे प्रकार की गाइड लाकर उनका अवलोकन एवं अध्ययन करना चाहिए ताकि प्रत्येक विशय के प्रश्नों के प्रारूप को समझा जा सके। साथ ही सॉल्वड प्रश्नपत्र से उत्तर की भाषा सीमा एवं उत्तर लेखन शैली की भी जानकारी हो जाएगी।
4. **मुख्य परीक्षा की कटऑफ**— तैयारी के इच्छुक अभ्यर्थी को ऑनलाइन या अन्य स्रोत से पूर्व की परीक्षाओं में सफल अभ्यर्थियों के प्रश्नपत्रवार अंक एवं कटऑफ तालिका का भी अवलोकन करना चाहिए जिससे उन्हें इस परीक्षा के प्रश्नपत्रों के मूल्यांकन के स्तर का कुछ हद तक अनुमान मिल जाएगा क्योंकि प्रतियोगी परीक्षा में कॉलेज शिक्षा के दौरान प्रश्नपत्र के उत्तरों के मूल्यांकन से अलग दृष्टिकोण से मूल्यांकन किया जाता है। डिग्री कोर्स में अन्य विद्यार्थियों के मुकाबले लिखे गए उत्तर से तुलनात्मक मूल्यांकन कम होता है लेकिन प्रतियोगी परीक्षा में मूल्यांकन का नजरिया अलग होता है। इसमें यह देखा जाता है कि उस परीक्षा में बैठने वाले अभ्यर्थियों में से आपका उत्तर कितना अलग एवं विभिन्न है तथा तुलनात्मक रूप से आप अपने प्रतिभागियों से बेहतर या बेहतरनीय है या नहीं। आपकी अभिव्यक्ति शैली दूसरों से अलग है या नहीं। अपने उत्तर लेखन से ही काबिलियत को साबित करना है। इसके लिए श्रेष्ठतम प्रदर्शन करना पड़ता है इसलिए मोटे तौर पर मुख्य परीक्षा एवं अंतिम परिणाम की कटऑफ देखकर यह कहा जा सकता है कि इसमें मूल्यांकन प्रक्रिया उदारवादी नहीं होती है।

		2016		2017		2018		2019	
	वर्ग	मुख्य परीक्षा 2016 में न्यूनतम अंक	मुख्य परीक्षा 2016 एवं साक्षात्कार अंक	मुख्य परीक्षा 2017 में न्यूनतम अंक	मुख्य परीक्षा 2017 एवं साक्षात्कार अंक (2050 में से)	मुख्य परीक्षा 2018 में न्यूनतम अंक	मुख्य परीक्षा 2018 एवं साक्षात्कार अंक (2050 में से)	मुख्य परीक्षा 2019 में न्यूनतम अंक	मुख्य परीक्षा 2019 एवं साक्षात्कार अंक

		(1750 में से)	(2050 में से)	(1750 में से)		(1750 में से)		(1750 में से)	(2050 में से)
टॉपर्स अंक		927	1120	950	1126	942	1121	914	1072
अंतिम कट ऑफ	General	787	988	809	1006	774	982	751	961
	OBC	745	951	770	968	732	938	718	925
	EWS	—	—	—	—	—	—	696	909
	SC	739	937	756	944	719	912	706	898
	ST	730	920	749	939	719	912	699	893
	PW BD-1	713	927	734	923	711	899	663	861
	PW BD-2	740	951	745	948	696	908	398	890
	PW BD-3	545	817	578	830	520	754	374	653
	PW BD-4	—	—	—	—	460	718	561	708

उपर्युक्त तालिका के अवलोकन से स्पष्ट है कि टॉपर्स के लिखित परीक्षा में लगभग 914 से 950 के बीच तथा कुल प्राप्तांक 1072 से 1126 (50–53%) के बीच आए हैं। मुख्य परीक्षा में 2016 के बाद प्रत्येक वर्ग में कटऑफ लगातार गिर रही हैं लेकिन वर्गवार औसतन कटऑफ में ज्यादा परिवर्तन नहीं हालांकि कटऑफ कई तथ्यों से प्रभावित होती है जैसे वर्गवार कुल पदों की संख्या, परीक्षा में सम्मिलित होने वाले, परीक्षार्थियों की संख्या, प्र नों पत्रों का स्तर, मूल्यांकन प्रणाली आदि। लेकिन उक्त सारणी से अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा के प्र नपत्रों के स्तर एवं मूल्यांकन स्तर का अंदाजा लगा सकता है।

5. **पुस्तकों का चयन**—मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु अभ्यर्थी को प्रारम्भिक परीक्षा एवं मुख्य परीक्षा के प्र नपत्र के पाठ्यक्रम का समग्र अवलोकन करने के बाद ही पुस्तकों का चयन करना चाहिए। प्रारम्भिक परीक्षा के प्रथम प्र नपत्र के लगभग सभी टॉपिक मुख्य परीक्षा के अनिवार्य प्र नपत्र में शामिल हैं इसलिए प्रारम्भ में ही दोनों परीक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयारी करनी चाहिए तथा प्रारम्भिक परीक्षा से 2–3 माह पूर्व प्रारम्भिक परीक्षा के नजरिए से अध्ययन करना चाहिए। आयोग केवल पाठ्यक्रम निर्धारित करता है तथा कभी भी कोई पुस्तक संदर्भित नहीं करता है लेकिन बहुसंख्यक अभ्यर्थियों द्वारा अनु ासित एवं तैयारी हेतु काम में ली जाने वाली पुस्तकें उपयोगी रहती हैं। इनमें से कुछ पुस्तकें अभ्यर्थियों के लिए उपयुक्त कही जा सकती है तदनुसार पुस्तक सूची निम्नलिखित हैं—

मुख्य परीक्षा के प्र नपत्र एवं पाठ्यक्रम की विषय वस्तु	पुस्तकें (हिन्दी माध्यम)	पुस्तकें (अंग्रेजी माध्यम)
प्र नपत्र A आठवीं अनुसूची में शामिल भारतीय भाषाओं में से कोई एक भाषा का प्र न (300 अंक)	<ul style="list-style-type: none"> अभ्यर्थी द्वारा चयनित विषय की कोई भी स्तरीय पुस्तक सामान्य हिन्दी-यूनिक प्रकाशन 	—
प्र नपत्र B अंग्रेजी प्र नपत्र (300 अंक)	• Compulsary English- A.P. Bhardwaj	—
प्रथम प्र नपत्र—निबंध (250 अंक)	• निबंध दृष्टि— दृष्टि प्रकाशन	• Essay- Disha Publication

	<ul style="list-style-type: none"> समाचार पत्र के संपादकीय का निरंतर अध्ययन एवं लेखन अभ्यास 	<ul style="list-style-type: none"> Regular Study and practice- The Hindu or Indian Express
द्वितीय प्र न पत्र— (250 अंक) सामान्य अध्ययन-1, भारतीय विरासत एवं संस्कृति, इतिहास, संसार का भूगोल व समाज (Indian Heritage & Culture, History & Geography of the World & Society)	<ul style="list-style-type: none"> प्राचीन भारतीय इतिहास—रामचरण शर्मा या पुरानी एनसीईआरटी पुस्तक मध्यकालीन भारत का इतिहास—सतीशचन्द्र वर्मा या पुरानी एनसीईआरटी पुस्तक भारत का स्वतन्त्रता संग्राम— विपिनचन्द्र या आधुनिक भारत का इतिहास—स्पेक्ट्रम स्वतन्त्रता के बाद भारत—विपिनचन्द्र भारतीय कला एवं संस्कृति—नितिन सिंघानिया समकालीन विश्व का इतिहास—अर्जुन देव 	<ul style="list-style-type: none"> Ancient History by R.S. Sharma (Old NCERT) Medieval History by Satish Chandra Verma Art & Culture- Nitin Singhania The Modern History- Bipin Chandra The History & Modern India- Rajiv Ahir Politics in India Since Independence-NCERT India Since Independence- (Old NCERT) Bipin Chandra World History- Arjun Dev
	<ul style="list-style-type: none"> भूगोल—एनसीईआरटी की कक्षा 6–12 तक की कक्षावार पुस्तकें या एनसीईआरटी की कक्षा 6–12 तक पुस्तकों का सार—संग्रह—महेश कुमार बरनवाल विश्व का भूगोल—परीक्षावाणी एस.के. ओझा भारत का भूगोल—परीक्षावाणी एस0के0 ओझा या भारत एवं विश्व का भूगोल—महेश कुमार बरनवाल ऑक्सफोर्ड एटलस पुस्तक या ओरियट वलैकस्वान एटलस पुस्तक का अध्ययन भारत एवं विश्व का भूगोल—मजिद हुसैन भारतीयसमाज—एनसीईआरटी कक्षा—11 भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं विकास एनसीईआरटी कक्षा—12 	<ul style="list-style-type: none"> Geography- G.C. Leong Indian & World Geography- Majid Husen Fundamentals of Physical Geography-NCERT India Physical Environment - NCERT Oxford Atlas or Orient Black Swan Atlas Indian Society- NCERT class 11 Social Change and Development in India- NCERT class 12
तृतीय प्र न पत्र— सामान्य अध्ययन-2 (200 अंक) सु शासन, संविधान, राजनीति, सामाजिक न्याय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संबंध (Governance, Constitution, Polity, Social Justice & International Relations)	<ul style="list-style-type: none"> भारत का संविधान सिद्धान्त एवं व्यवहार—एनसीईआरटी समकालीन विश्व राजनीति—एनसीईआरटी भारतीय राजव्यवस्था—एम लक्ष्मीकांत भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था—परीक्षावाणी भारतीय संविधान बेयर एक्ट या भारत का संविधान एक परिचय—डी.डी. वासु समसामयिक मासिक पत्रिका (कोई एक) <ol style="list-style-type: none"> दृष्टि/योजना/कुरुक्षेत्र/क्रोनिकल एवं एक—एक समाचार पत्र—द हिन्दु या इंडियन एक्सप्रेस एवं जनसत्ता या दैनिक जागरण 	<ul style="list-style-type: none"> Indian Constitution at work-NCERT Indian Polity- M. Laxmikant Governance in India- M.Laxmikant Introduction to the Constitution of India – D.D. Vasu Contemporary World Politics-NCERT The Hindu or Indian Express Relevant Articles 2nd ARC Report (Governance)

	<ul style="list-style-type: none"> • एनसीईआरटी की कक्षा 6–12 तक की कक्षावार पुस्तकें या एनसीईआरटी की कक्षा 6–12 तक पुस्तकों का सार–संग्रह • भारत की विदेश नीति–पुष्पे पंत • द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग की रिपोर्ट (सुशासन) 	<ul style="list-style-type: none"> • PIB, Only IAS/Stud IQ You Tube Channel Video
चतुर्थ प्र न पत्र– सामान्य अध्ययन–3 (250 अंक) प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव–विविधता, पर्यावरण सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन (Technology, Economic Development, Biodiversity, Security & Disaster Managemnt)	<ul style="list-style-type: none"> • पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी –माजिद हुसैन • पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी – राजगोपालन • विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का विकास–टी. एम.एच • भारत की आंतरिक सुरक्षा–मुख्य चुनौतियाँ अशोक कुमार (TMH) • भारतीय अर्थव्यवस्था–रमेश सिंह • समसामयिक आर्थिक एवं अन्य मुद्दे–मासिक पत्रिका एवं समाचार पत्र। • द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग की रिपोर्ट (आपदा प्रबंधन) • आर्थिक समीक्षा एवं बजट सार • mrunal.org/economy video 	<ul style="list-style-type: none"> • Environment & Ecology- Raj Gopalan • Science and Technology- TMH Publication • India Economic Development- Class 11 &12 NCERT • Indian Economy- Ramesh Singh • Economic Surve and Budget • Indian People and Economy (NCERT) • 2nd ARC Report- (Disaster Man.) • Introduction Macro Economics-NCERT Class 12
पंचम प्र न पत्र– सामान्य अध्ययन–4 (250 अंक) नैतिकता, योग्यता, एवं अभिरुचि (Ethics, Integrity & Aptitude)	<ul style="list-style-type: none"> • नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा एवं अभिरुचि–अरिहंत प्रकाशन या नीरज कुमार की पुस्तक • अरिहंत प्रकाशन के पूर्व के वर्षों के हल प्रश्न पत्र • द्वितीय प्र.सु. आयोग की सत्यनिष्ठा पर रिपोर्ट 	<ul style="list-style-type: none"> • Ethics, Integrity and Aptitude for civil services- G. Subba Rao • Lexicon For Ethics, Integrity and Aptitude- Niraj Kumar • 2nd ARC Report on Ethics
षष्ठ प्र न पत्र–वैकल्पिक विषय प्रथम प्र न पत्र (250 अंक)	<ul style="list-style-type: none"> • अभ्यर्थी द्वारा चयनित विषय के अनुसार पुस्तकों का अध्ययन 	
सप्तम प्र न पत्र– वैकल्पिक विषय द्वितीय प्र न पत्र (250 अंक)	<ul style="list-style-type: none"> • अभ्यर्थी द्वारा चयनित विषय के अनुसार पुस्तकों का अध्ययन 	

6. **परीक्षा की तैयारी** – मुख्य परीक्षा या अन्य लिखित परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में अनुकरण करने योग्य कुछ बिन्दु पूर्व में दिए गए हैं जो प्रत्येक अभ्यर्थी के लिए उपयोगी हो सकते हैं। इसमें यह उल्लेखनीय है कि किसी परीक्षा की तैयारी अभ्यर्थी वि देश के अनुसार अलग–अलग होती है। जिसका कुछ हद तक सामान्यीकरण किया जा सकता है। मुख्य परीक्षा की सम्पूर्ण प्रक्रिया को समझने एवं पुस्तकों को खरीदने के बाद अगला चरण तैयारी का है। मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु निम्न बातें ध्यान रखने योग्य हैं–
- इस चरण की तैयारी अभ्यर्थी को विभिन्न प्रकार के पूर्वाग्रह या अवधारणाओं यथा हिन्दी माध्यम के अभ्यर्थी बहुत कम तथा अंग्रेजी माध्यम के ही अभ्यर्थी बहुत ज्यादा चयनित होते हैं। हिन्दी माध्यम में स्तरीय अध्ययन सामग्री नहीं हैं। ग्रामीण पृष्ठभूमि या परिवार से होने पर चयन बहुत मु किल है अंग्रेजी का ज्ञान अच्छा नहीं होने के कारण साक्षात्कार में नुकसान होगा, अपने ऐच्छिक विषय में बहुत कम अंक आते हैं आदि से दूर रहकर भुरुआत करनी चाहिए। यदि ये यद्यपि अध्ययन सामग्री की उपलब्धता, परीक्षा माध्यम आदि भी चयन में निर्णायक बिन्दु हैं लेकिन अभ्यर्थी की मेहनत, लक्ष्य प्राप्ति के प्रति समर्पण के आगे ये सब गौण हो जाते हैं। ये बातें हमें बार–बार विचलित करती रही तो तैयारी बाधित होगी इसलिए केवल लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित होना चाहिए।
 - तैयारी भुरु करने से पूर्व दैनिक, टाइम टेबल के साथ–साथ साप्ताहिक, मासिक, त्रैमासिक, वार्षिक लक्ष्य विषयवार या प्र न पत्र के मुताबिक तय करने चाहिए क्योंकि यदि किसी कार्य में सफलता अर्जित करनी है तो

उसमें समय सीमा के साथ लक्ष्य निर्धारित करना जरूरी हैं अन्यथा उस काम में सफलता संदिग्ध रहती है। यह परीक्षा प्रतिवर्ष आयोजित होती है। यद्यपि कोरोना महामारी के कारण जरूर इसका कैलेण्डर प्रभावित हुआ है लेकिन आज तक यह परीक्षा प्रतिवर्ष आयोजित हुई है। कैलेण्डर में विज्ञप्ति से लेकर अंतिम परिणाम तक की समय सीमा निर्धारित होती है। उसी तरह अभ्यर्थी को भी इसकी तैयारी की कार्य योजना उसके अनुरूप ही बनानी चाहिए।

- (iii) तैयारी की भुरुआत एनसीईआरटी की पुस्तकों से करने एवं तत्पश्चात् संदर्भ पुस्तकों के अध्ययन के बारे में पूर्व में बताया जा चुका है।
- (iv) **नोट्स बनाना**—एनसीईआरटी एवं संदर्भ पुस्तकों का कम से कम दो बार अध्ययन करने के बाद ही नोट्स बनाने चाहिए। यद्यपि नोट्स बनाना या नहीं बनाना व्यक्ति विशेष की रुचि, अध्ययन शैली आदि पर निर्भर करता है लेकिन अधिकतर सफल अभ्यर्थियों के मुताबिक तैयारी के दौरान नोट्स जरूर बनाने चाहिए जिससे परीक्षा से पूर्व सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का कम समय में रिवीजन सहित कई फायदे हैं इसलिए प्रत्येक दिन पत्रवार एवं विषयवार स्वयं के नोट्स बनाना उचित रहेगा। नोट्स बनाने के तरीके के बारे में पूर्व में बताया जा चुका है।
- (v) **कोचिंग**—प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा हेतु कोचिंग भी व्यक्ति विशेष पर ज्यादा निर्भर है। अधिकतर अभ्यर्थी इस परीक्षा हेतु एक बार तो कोचिंग करना ही चाहते हैं। यद्यपि कई अभ्यर्थियों ने बिना कोचिंग के घर पर रहकर या राजकीय सेवा या प्राइवेट नौकरी में रहते हुए टॉप रैंक से सफलता अर्जित की है। जिन अभ्यर्थियों की ऐच्छिक विषय के साथ-साथ अनिवार्य विषयों में से अधिकांश पर अच्छी पकड़ होती है वे कोचिंग की जरूरत भी महसूस नहीं करते हैं। दूसरी ओर आजकल विभिन्न कोचिंग संस्थान के ऑनलाइन कोर्स एवं वीडियो उपलब्ध हैं तथा ऑनलाइन वेबसाइट व यूट्यूब चैनल पर भी फ्री में अच्छे स्तर का मैटर उपलब्ध हैं जिन्हें पढ़कर कोई भी अभ्यर्थी आमने-सामने अध्ययन के बजाय दूरस्थ शिक्षण से भी अपने स्तर पर अच्छी तैयारी कर सकता है एवं बहुत से अभ्यर्थियों ने इस तरीके से भी अपने मुकाम को हासिल किया है। परीक्षा का स्वरूप एवं पाठ्यक्रम आदि की जानकारी के साथ विषय वस्तु की गहरी समझ है तो कोचिंग जरूरी नहीं है। यदि अभ्यर्थी कोचिंग लेना चाहता है तो उन्हें सबसे पहले स्वमूल्यांकन कर यह तय करना है कि उसे सभी विषय की कोचिंग लेनी है या कतिपय विषय विशेष की। इसके बाद अपने परीक्षा माध्यम, अपने तैयारी के स्थान से कोचिंग की दूरी, कोचिंग संस्थान में अध्ययन की सुविधा का स्तर, कोचिंग संस्थान की फीस, कोचिंग संस्थान द्वारा कोचिंग के दौरान किए जाने वाले मूल्यांकन एवं स्तर उन्नयन के तरीके, कोचिंग की फेकल्टी आदि को ध्यान में रखकर कोचिंग संस्थान का चुनाव करना चाहिए। पाठ्यक्रम के कठिन हिस्सों को चयनित कर उन पर विशेष ध्यान देकर कोचिंग से अपने ज्ञान, बोधगम्यता, तार्किक विश्लेषण क्षमता, लेखन शैली आदि में अभिवृद्धि करने का प्रयास करते हुए तैयारी करनी चाहिए।
- (vi) **मॉडल प्रश्न हल करना एवं लेखन शैली में सुधार करना**—मुख्य परीक्षा या प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु आपने कितनी मेहनत की, कितने घंटे पढ़े तथा कितनी पुस्तकें पढ़ी यह ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं, महत्वपूर्ण अपने ज्ञान एवं कौशल में कितनी वृद्धि हुई उसका क्या परिणाम रहा ? अच्छे परिणाम के लिए हमें अपनी तैयारी की प्रगति का समय-समय पर परीक्षण जरूरी है यह आपकी तैयारी की कसौटी है। किसी अभ्यर्थी ने प्रत्येक विषय की कई पुस्तकें पढ़कर बहुत सा ज्ञान अर्जित कर लिया लेकिन उस अर्जित ज्ञान में से प्रत्येक उत्तर लिखते समय कौनसी सामग्री परीक्षक के सामने कितनी तथा किस स्वरूप में प्रस्तुत करनी है इसका अभ्यास नहीं किया तथा परीक्षा पूर्व इसका मार्गदर्शन प्राप्त नहीं किया तो मेहनत के अनुरूप परिणाम नहीं मिलता है। इस हेतु अभ्यर्थी को अपने पाठ्यक्रम को 2-3 बार पूर्ण कर नोट्स बनाने के बाद विषयवार या प्रत्येक पत्रवार उत्तर लेखन का निरन्तर अभ्यास करते रहना चाहिए। पूर्व की परीक्षा में आए प्रत्येक विषय के मुताबिक उपलब्ध हो जाते हैं इसलिए तैयारी के दौरान जो टॉपिक जैसे इतिहास, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन आदि को पढ़ रहे हो तो पहले इससे संबंधित प्रश्नों का अध्ययन करने के बाद पूरा टॉपिक पढ़ें तथा उसका अध्ययन पूर्ण होने के बाद उन प्रश्नों के उत्तर लिखने का अभ्यास करें जितना अधिक उत्तर लेखन का अभ्यास किया जाएगा उतनी ही अधिक विषयवस्तु पर पकड़ एवं लेखन शैली बेहतर बनेगी। टॉपिक एवं विषयवार लेखन अभ्यास के बाद पाठ्यक्रम पूर्ण होने पर पूर्व के वर्षों के प्रश्नपत्रों को निर्धारित समय से हल कर अपने साथी या इस बारे में अनुभवी विषय विशेषज्ञ या ये संभव नहीं हो तो सॉल्वड प्रश्नपत्र के आधार पर उत्तर से मिलान करके अपनी विषयवस्तु की समझ, वर्तनी, समय प्रबंधन, लेखन शैली, भाव्य सीमा आदि संबंधी गलतियों का पता लगाकर उन्हें अपनी नोट्स बुक या डायरी में नोट करना चाहिए। इसमें सुधार हेतु अपने साथियों से चर्चा करके आगे की तैयारी के दौरान इन गलतियों में सुधार पर जोर देना चाहिए। परीक्षा से पूर्व तैयारी को अंतिम रूप देते हुए उपयुक्त संस्था से जुड़कर प्रत्येक प्रश्नपत्र के मॉडल प्रश्नपत्र हल कर उनका मूल्यांकन करवाकर अपनी तैयारी को ऊपरी सोपान तक पहुँचाना चाहिए। मॉडल प्रश्नपत्र के उत्तर लेखन से अपनी तैयारी के स्तर का आकलन होने के साथ, विषय के कमजोर पक्ष की जानकारी होने से समय रहते उसमें

सुधार संभव है। निबंध, सामान्य प्र नपत्र अध्ययन एवं ऐच्छिक विषय सभी के तीन घंटे के पूर्ण टेस्ट अधिक से अधिक देने चाहिए।

(vii) परीक्षा की तैयारी हेतु अन्य ध्यान रखने योग्य बिन्दु—

- सिविल सेवा परीक्षा की सफलता में समसामयिकी बहुत ही उपयोगी है। प्रारम्भिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार तीनों चरण में समसामयिक घटनाओं, मुद्दों एवं समस्याओं के बारे में अभ्यर्थी के विचार, समझ एवं दृष्टिकोण को जाँचा परखा जाता है। प्रारम्भिक परीक्षा एवं मुख्य परीक्षा में भूगोल, अर्थव्यवस्था, राजनीति, अन्तरराष्ट्रीय संबंध, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, प्र ासन एवं प्रबंध आदि विषयों से पूछे जाने वाले कई प्र नों का कहीं न कहीं समसामयिकी से जुड़ाव जरूर होता है। साथ ही निबंध के प्र नपत्र में भी इससे संबंधित टॉपिक का भी समावे ा होता है इसलिए इस परीक्षा की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों को अपने माध्यम के मुताबिक हिन्दी या अंग्रेजी के एक-एक समाचार पत्र या दोनों समाचार पत्र का निरन्तर अध्ययन करते हुए वि ेश तौर पर सम्पादकीय लेख का अध्ययन कर उन लेखों के संबंध में अपने संक्षिप्त विचार एवं सार लिखने का अभ्यास करते रहना चाहिए। सप्ताह में एक दिन विस्तृत लेख लिखे जिससे निबंध प्र नपत्र की तैयारी होती रहे। जनसत्ता “द” हिन्दु सहित समाचार पत्रों में आने वाले सम्पादकीय लेख इस परीक्षा के लिए बहुत ही प्रासंगिक होते हैं। अभ्यर्थी को राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय घटनाओं, मुद्दों के बारे में समग्र जानकारी प्राप्त कर उनके संबंध में अपने निष्पक्ष एवं संतुलित विचार बनाने चाहिए। इसके लिए दैनिक समाचार पत्रों के अलावा एक समसामयिक मासिक पत्रिका के अध्ययन के साथ साथ केन्द्र सरकार के विभिन्न मंत्रालय एवं पीआईबी की वेबसाइट तथा सिविल सेवा के लिए समर्पित यू ट्यूब चैनल पर समाचार पत्र वि ेलेशन सुनकर उपयोगी बिन्दुओं के नोट्स बनाने चाहिए। समसामयिकी के संबंध में अच्छी तैयारी लगभग 30-40 प्रति ात पाठ्यक्रम कवर कर लेती है जैसा कि पिछले कुछ वर्षों से आयोग भी समसामयिक एप्रोच को ज्यादा महत्व देने लगा है। प्र नपत्र के प्र नों का समसामयिकी से कहीं न कहीं लिंक जरूर होता है।
 - अभ्यर्थी को प्र न का उत्तर लिखने से पूर्व प्र न को बहुत ही ध्यान से दोनों भाषाओं (हिन्दी एवं अंग्रेजी) में पढ़ना चाहिए। प्र न में परीक्षक द्वारा प्रयुक्त किए गए वि ेश भावों जैसे चर्चा (Discuss) वि ेलेशन, समालोचना, विवेचना, निबंध आदि पर वि ेश ध्यान देकर उनकी मं ा के अनुरूप भाव सीमा में उत्तर लेखन का अभ्यास करना चाहिए। उत्तर में यथासंभव डाइग्राम, नक् े, सारणी, फ्लोचार्ट आदि का प्रयोग करना चाहिए जिससे उत्तर प्रभावी बने लेकिन इनकी अधिकता भी नहीं होनी चाहिए। उत्तर लेखन में ज्यादा आलोचना या नकारात्मक दृष्टिकोण या किसी विचाराधारा का खुलकर समर्थन करने के बजाय संविधान एवं भासन की नीतियों एवं योजनाओं के संबंध में सन्तुलित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। अपने उत्तर को समसामयिकी घटनाचक्र से जोड़ने का प्रयास करें जिससे उत्तर प्रभावी होगा।
 - जहाँ प्रारम्भिक परीक्षा केवल क्वालिफाईंग एवं छँटनी परीक्षा है वहीं मुख्य परीक्षा के स्वरूप से आयोग ऐसे भावी प्र ासकों की पहचान एवं चयन करता है जिनकी सोच, नजरिया, समझ आदि सकारात्मक, सृजनात्मक एवं संतुलित हो, जिनमें सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, नेतृत्व, संचार कौ ाल आदि गुण हो इसलिए इसकी झलक अभ्यर्थी के उत्तर में दिखनी चाहिए। इस प्रकार के प्र नों का भी समावे ा प्र नपत्र में किया जाता है। परीक्षक अभ्यर्थी के तथ्यात्मक ज्ञान से ज्यादा सामाजिक-आर्थिक एवं सामयिक मुद्दों एवं समस्याओं के संबंध में उसका नजरिया एवं इनके सकारात्मक एवं प्रभावी समाधान का तरीका विभिन्न विषयों में अन्तरसंबंध स्थापित करने एवं समसामयिकी से उस प्र न के उत्तर को जोड़ने की कु ालता की भी जाँच की जाती है या यूँ कहे मूल्यांकनकर्ता अभ्यर्थी की विषयवस्तु के बारे में स्पष्ट समझ, उसकी प्रासंगिकता, भाषायी दक्षता, उदाहरणों एवं व्याख्याओं का समावे ा करने की दक्षता आदि का आंकलन मूल्यांकन के दौरान करता है।
- 7. परीक्षा माध्यम :** अभ्यर्थी प्रश्न पत्र A व B को छोड़कर प्रश्न पत्र I-VII तक 8वीं अनुसूची की किसी भी भाषा में या अंग्रेजी में उत्तर दे सकता है।
- 8. परिणाम :** मुख्य परीक्षा के प्रश्न पत्रा से VII तक के प्राप्तांक मेरिट में जोड़े जाएँगे। आयोग इन प्रश्न पत्रों में भी न्यूनतम अंक निर्धारित कर सकता है इन प्रश्न पत्र के प्राप्तांक के आधार पर सामान्यतः रिक्तियों के दुगुना अभ्यर्थियों का चयन कर साक्षात्कार हेतु संघ लोक सेवा आयोग दिल्ली में आमंत्रित करता है।

(घ) साक्षात्कार प्रक्रिया :-

1. मुख्य परीक्षा की मेरिट लिस्ट में स्थान पाने वाले अभ्यर्थियों को यू.पी.एस.सी. के दिल्ली स्थित मुख्यालय धौलपुर हाउस में साक्षात्कार हेतु दिनांकवार बुलाया जाता है। जहाँ पर यू.पी.एस.सी. द्वारा बनाए गए साक्षात्कार बोर्ड द्वारा अभ्यर्थी का साक्षात्कार लिया जाकर अभ्यर्थी के द्वारा साक्षात्कार बोर्ड के समक्ष किए गए प्रदर्शन या प्रस्तुतीकरण के आधार पर 275 अंक में से अंक प्रदान किए जाते हैं।
2. साक्षात्कार में न्यूनतम अंक की कोई भी सीमा या अर्हता निर्धारित नहीं है।
3. साक्षात्कार बोर्ड द्वारा सामान्य जागरूकता से संबंधित प्रश्न पूछे जाएँगे। आयोग द्वारा गठित साक्षात्कार के जरिए अभ्यर्थी की एक लोकसेवक के रूप में व्यक्तिगत सक्षमता या उपयुक्तता का मूल्यांकन किया जाता है जिसमें बोर्ड अभ्यर्थी की मनोवैज्ञानिक या मानसिक सक्षमता, बौद्धिक गुणों के साथ-2 सामाजिक लक्षणों तथा समसामयिक मुद्दों पर उसके विचार, राय, रुचि एवं प्रतिक्रिया परखता है। साथ ही मानसिक सजगता, आत्मसात करने की शक्तियाँ, स्पष्ट एवं तार्किक विचाराभिव्यक्ति, अच्छा निर्णय करने की क्षमता, विविधता एवं रुचि की गम्भीरता, सामाजिक सामंजस्य एवं नेतृत्व की क्षमता, नैतिक अखंडता आदि गुणों का साक्षात्कार बोर्ड साक्षात्कार के समय परीक्षण करता है।
4. साक्षात्कार अभ्यर्थी के ना तो विशिष्ट ज्ञान या ना ही सामान्य ज्ञान का परीक्षण है क्योंकि इसका परीक्षण लिखित परीक्षा में हो चुका है। साक्षात्कार में बोर्ड अभ्यर्थी से अपेक्षा रखता है कि अभ्यर्थी जैसे अकादमिक कैरियर के विषय विशेष के संबंध में रुचि रखता है वैसे ही वह अपने राज्य तथा राज्य के बाहर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर घटित हो रही घटनाओं के बारे में भी शिक्षित व जागरूक युवा की तरह जिज्ञासा एवं जानकारी रखता हो।

“बाधाएँ वे भयानक चीजें हैं आप तब देखते हैं जब आप अपनी आँखों को अपने लक्ष्य से दूर कर लेते हैं।”

—हेनरी फोर्ड

2.1.2.6 साक्षात्कार की तैयारी

सामान्यतः साक्षात्कार में दो पक्ष होते हैं साक्षात्कार लेने वाला सदस्य या बोर्ड तथा साक्षात्कार देने वाला अभ्यर्थी। दोनों पक्षों के बीच पूर्व निर्धारित किसी स्थान, समय एवं अवधि में औपचारिक बातचीत होती है जिसमें बोर्ड द्वारा साक्षात्कार के लिए निर्धारित पद के लिए बुलाए गए पात्र अभ्यर्थियों में से योग्यतम का चयन किया जाता है वहीं अभ्यर्थी को साक्षात्कार की अल्प-अवधि में अपनी योग्यता एवं उपयुक्तता को साबित करना होता है। बोर्ड को पद के अनुरूप व्यक्तित्व वाला व्यक्ति जिसमें सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, आत्मविश्वास, संवेदनशीलता, नेतृत्व क्षमता, निर्णयन कौशल, सहज संचार कौशल, सहज अभिव्यक्ति क्षमता आदि गुण हो, चाहिए होता है। इसके लिए बोर्ड विशेष अवधि में प्रश्नोत्तर के माध्यम उसकी योग्यता, क्षमता, कौशल, दृष्टिकोण, विचारधारा, सृजनात्मकता आदि का परीक्षण करता है जिसमें अभ्यर्थी को बोर्ड की कसौटी पर खरा उतरकर अपनी काबिलियत सिद्ध करनी पड़ती है।

संघ लोक सेवा आयोग, राज्य लोक सेवा आयोग एवं कई अन्य भर्ती एजेंसियों द्वारा महत्वपूर्ण पद (ग्रुप 'ए' और बी) के लिए आयोजित भर्ती प्रक्रिया में लिखित परीक्षा के साथ साक्षात्कार को भी अंतिम चयन की मेरिट में शामिल किया गया है, इसलिए साक्षात्कार के अंक भी चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सिविल सेवा परीक्षा में अभ्यर्थियों के मुख्य परीक्षा के अंकों में ज्यादा अंतर नहीं होता है जबकि साक्षात्कार के अंकों से अंतिम मेरिट एवं तदनुसार अभ्यर्थी को मिलने वाली अखिल भारतीय या केन्द्रीय सेवा आदि का निर्धारण होता है इसलिए साक्षात्कार इसमें निर्णायक भूमिका में होता है। यद्यपि साक्षात्कार के लिए कोई निर्धारित पाठ्यक्रम या प्रक्रिया नहीं है लेकिन आयोग एवं अन्य संस्थाओं द्वारा निरंतर लिए जाने वाले साक्षात्कार के आधार पर साक्षात्कार की तैयारी हेतु व्यावहारिक व सामान्यतः सबके लिए उपयोगी बातें नीचे दी जा रही हैं जिनका अनुसरण करके किसी भी परीक्षा के लिए साक्षात्कार की तैयारी की जा सकती है—

- (क) **साक्षात्कार की तैयारी हेतु ध्यातव्य बातें**—अभ्यर्थी को मुख्य परीक्षा के थोड़े अन्तराल के बाद साक्षात्कार की तैयारी शुरू करनी चाहिए। मुख्य परीक्षा के परिणाम का इंतजार नहीं करना चाहिए। साक्षात्कार की तैयारी हेतु साक्षात्कार में पूछे जाने वाले संभावित प्रश्नों के मददेनजर तैयारी करनी चाहिए। साक्षात्कारकर्ता बोर्ड द्वारा सामान्यतः निम्न बिन्दुओं पर प्रश्न पूछे जाने की अधिक संभावना रहती है यथा —
- (i) **स्वयं के बारे में जानकारी**—बोर्ड द्वारा साक्षात्कार की शुरुआत अभ्यर्थी के सामान्य परिचय से की जाती है। बोर्ड द्वारा अभ्यर्थी का नाम, नाम से समानता रखने वाले किसी प्रसिद्ध व्यक्तित्व, स्थान, घटना या नाम की सार्थकता के बारे में प्रश्न पूछे जा सकते हैं। अभ्यर्थी की जन्मतिथि के तिथि, माह एवं वर्ष का महत्व आदि के बारे में प्रश्न पूछे जा सकते हैं। बोर्ड कभी-कभी शुरुआत में ही पूछ लेता है कि अपने बारे में बताइए। तब अभ्यर्थी को अपनी पारिवारिक, भौक्षणिक, व्यावसायिक स्थिति आदि का परिचय देना चाहिए।
- (ii) **भौक्षणिक एवं व्यावसायिक योग्यता के बारे में जानकारी**—बोर्ड अभ्यर्थी की भौक्षणिक पृष्ठभूमि के बारे में प्रश्न पूछ सकता है। अभ्यर्थी ने किसी विश्वविद्यालय यथा नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, खेल स्कूल, मॉडल स्कूल आदि से शिक्षार्जन किया है उससे संबंधित प्रश्न पूछने की संभावना रहती है। कॉलेज शिक्षा के विषय एवं शिक्षण संस्था जहाँ से डिग्री कोर्स किया हो एवं व्यावसायिक डिग्री बी.टेक, एम.बी.बी.एस.बी.एड, एम.बी.ए. आदि हासिल कर रखी हो तो उस डिग्री एवं जिस संस्था से डिग्री की है उसके बारे में भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं। अभ्यर्थी को इन सबके बारे में मोटे तौर पर जानकारी होनी चाहिए क्योंकि बोर्ड अभ्यर्थी से इनके बारे में जानकारी होने की जरूरत अपेक्षा रखता है। उन संस्थाओं जहाँ से अध्ययन किया तथा जिन जिले या राज्य में संस्थान स्थित है उनके ऐतिहासिक महत्व हो तो उसकी अवगत जानकारी प्राप्त करनी चाहिए।
- (iii) **व्यवसाय के बारे में**—अभ्यर्थी बेरोजगार है तो अलग बात है अन्यथा वह किसी केन्द्रीय या राज्य सरकार के राजकीय विभागों या स्वायत्त शासी संस्थाओं, प्राइवेट संस्थाओं या कंपनियों या किसी एन.जी.ओ. से जुड़ा है तो बोर्ड इनके बारे में अभ्यर्थी से जरूर चर्चा करेगा क्योंकि वह व्यक्ति अपनी वर्तमान संस्था के बारे में कितनी जानकारी रखता है एवं उससे संतुष्ट है या नहीं यदि असंतुष्ट है तो क्यों, क्या ऐसा व्यक्ति इच्छित सिविल सेवा के लिए उपयुक्त रहेगा या नहीं। इसलिए अभ्यर्थी को वर्तमान रोजगार के बारे में पूर्ण जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। आपकी वर्तमान सेवा के दौरान आपके द्वारा अर्जित उपलब्धियाँ, उस विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाएँ नीतियाँ, इनको लागू करने में आपकी भूमिका आदि के बारे में पूर्ण तैयारी करें।

- (iv) **जिले एवं राज्य के बारे में जानकारी**—बोर्ड अभ्यर्थी से अपेक्षा रखता है कि जिस क्षेत्र से अभ्यर्थी आया है वहाँ की उसको जानकारी है या नहीं। अपने परिवे 1 के प्रति जागरूक तथा अपने जिले व राज्य की अवस्थिति, इतिहास, भौगोलिक एवं आर्थिक स्थिति, सामाजिक व आर्थिक समस्याएँ तथा उनके सृजनात्मक समाधान आदि के बारे में जानकारी होना जरूरी है। एक प्र 1ासक कभी अपने परिवे 1 एवं वहाँ हो रही गतिविधियों से अनभिज्ञ नहीं हो सकता है एवं यदि ऐसा है तो वह कभी सफल प्र 1ासक नहीं हो सकता है इसलिए अपने परिवे 1 के बारे में पूर्ण सज्ज प्र 1ासक की पहचान के लिए ये प्र 1 न अव 1य पूछे जाते हैं एवं पूछे भी जाने चाहिए। इनके बारे में विस्तृत जानकारी, समस्याओं के कारण एवं निदानात्मक उपाय के बारे में भी तैयारी करनी चाहिए। आर.ए.एस. साक्षात्कार में भी अभ्यर्थी के जिले एवं राजस्थान की सामाजिक-आर्थिक समस्याओं एवं उनके सृजनात्मक समाधान संबंधी प्र 1 न अव 1य पूछे जाते हैं।
- (v) **डिग्री कोर्स के विषयों एवं ऐच्छिक विषयों के संबंध में जानकारी**— बोर्ड अभ्यर्थी के इन विषयों के संबंध में उसके ज्ञान को जाँचने के लिए उस स्तर के तथ्यात्मक प्र 1 न नहीं पूछकर विषय की समझ एवं कतिपय सिद्धान्त, विचार या धारणाओं तथा विचारकों के मतों के संबंध उसका दृष्टिकोण जानने के लिए विवेचनात्मक प्र 1 न जरूर पूछ सकता है इसलिए इनके बारे में भी तैयारी करना ठीक रहता है। अभ्यर्थी को अपने ऐच्छिक विषय के संक्षिप्त नोट्स को एक बार जरूर रिवाइज करना चाहिए। अर्थ 1ास्त्र, राजनीति विज्ञान, समाज भास्त्र, भूगोल, लोक प्र 1ासन, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी, कानून आदि ऐच्छिक विषयों से संबंधित चर्चित घटनाओं, मुद्दों एवं समस्याओं के बारे में अव 1य जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। अभ्यर्थी द्वारा 10+2 के बाद संकाय बदला हो या डिग्री कोर्स के विषयों से अलग विषय ऐच्छिक विषय के रूप में चुना है तो इस विषय में अव 1य प्र 1 न पूछे जा सकते हैं इसलिए इसकी भी तैयारी करनी चाहिए।
- (vi) **समसामयिकी**—प्रारम्भिक परीक्षा एवं मुख्य परीक्षा के साथ-साथ साक्षात्कार में भी बोर्ड अभ्यर्थी की राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं, मुद्दों एवं समस्याओं के बारे में उसके विचार एवं दृष्टिकोण को जानने एवं उनके समाधान के लिए बताए गए उपाय, कार्य योजना आदि से उसकी सोच एवं सृजनात्मकता को परखता है इसलिए नियमित रूप से समाचार पत्र पढ़कर अध्ययन समूह में सार्थक चर्चा करें। रेडियो या टी.वी. पर सार्थक चर्चा सुनकर समसामयिकी पत्रिकाओं का अध्ययन, विभिन्न विभागों की वेबसाइट का अवलोकन, इंटरनेट या यू ट्यूब चैनल से समसामयिक समस्याओं—मुद्दों आदि के बारे में जानकारी एकत्र कर समग्र तैयारी करनी चाहिए।
- (vii) **अभिरुचि (हॉबी)**—अभ्यर्थी की यदि कोई हॉबी है तो ही आवेदन पत्र में भरनी चाहिए अन्यथा नहीं। यदि हॉबी है तो ज्यादा संभावना है कि बोर्ड उस पर प्र 1 न पूछेगा। हॉबी जो आपके व्यक्तित्व को वि 1ि 1ष्ट बनाती है तथा जिसके बारे में आप जानते हैं लेकिन इसकी अच्छी तैयारी करनी चाहिए। इससे बोर्ड आपके व्यक्तित्व का मूल्यांकन करता है। हॉबी के बारे में संभावित प्र 1 नों का अभ्यास करना चाहिए। कई बार हॉबी पर लम्बी अवधि तक साक्षात्कार चलता है जो अभ्यर्थी के लिए अच्छा भी रहता है। हॉबी के बारे में पर्याप्त जानकारी न होने पर इंटरनेट से जानकारी एकत्र कर तैयारी करें।

(ख) साक्षात्कार हेतु अन्य तैयारीयाँ —

(a) **सेवा वरीयता** —अभ्यर्थी द्वारा अपने आवेदन पत्र में सेवा वरीयता (IAS, IFS, IPS, IRS) भरी जाती है। सामान्यतः IAS को पहली वरीयता दी जाती है। IAS को प्राथमिकता या IRS को IPS से प्राथमिकता या IFS को IAS से प्राथमिकता या पहले से केन्द्रीय गुप 'ए' एवं 'बी' या IPS, IFS, IRS आदि सेवा में है और केवल IAS के लिए साक्षात्कार देने आया हो तो उसके कारण के बारे में पूछा जा सकता है। इसलिए अपनी रुचि एवं सेवा वरीयता के पक्ष में सार्थक कारण—सहित उत्तर दें। वहीं आरपीएससी द्वारा आयोजित संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा में RAS या RPS बनने का उचित कारणे तथा RAS या RPS को अन्य सेवा से प्राथमिकता के बारे में पूछा जाता है। आप जिन पदों के लिए साक्षात्कार देने जा रहें हैं उन पदों के प्र 1ासन में दायित्व एवं भूमिका, आपके चयनित होने पर आपका भावी विजन, अच्छे प्र 1ासक के रूप में आप में निहित गुण, क्षमता आदि के बारे में भी पूछे जाने की संभावना रहती है।

(b) **मॉक इंटरव्यू देना**—अभ्यर्थी द्वारा पूर्व में भी आयोग की किसी परीक्षा में साक्षात्कार दिया है तो वह अनुभव युक्त होने से मॉक साक्षात्कार की जरूरत महसूस नहीं करता है लेकिन यदि पहली बार साक्षात्कार दे रहा है तो मॉक साक्षात्कार अव 1य देना चाहिए। कोई कोचिंग संस्था, सफल अभ्यर्थियों या साक्षात्कार दे रहे साथियों का छदम बोर्ड बनाकर उनके समक्ष 25–30 मिनट की अवधि के साक्षात्कार देने चाहिए तथा उस साक्षात्कार की विडियो रिकॉर्डिंग भी करवानी चाहिए। इस अभ्यास साक्षात्कार बोर्ड को अभ्यर्थी द्वारा साक्षात्कार के दौरान की गई गलतियों को नोट कर अभ्यर्थी को बताना चाहिए तथा अभ्यर्थी को उसमें यथा संभव सुधार करना

चाहिए। अभ्यर्थी को भी अपने साक्षात्कार की विडियो रिकॉर्डिंग देखकर अपने व्यक्तित्व एवं साक्षात्कार प्रक्रिया में उभरे नकारात्मक तत्वों को दूर करना चाहिए।

- (c) **आवेदन भरना**—आयोग द्वारा अभ्यर्थी से साक्षात्कार हेतु जो आवेदन पत्र भरवाया जाता है, उसमें सभी तथ्य सही भरने चाहिए। कभी भी आधी-अधूरी, भ्रामक या झूठी जानकारी भरकर आयोग को गुमराह करने का प्रयास स्वयं के लिए घातक सिद्ध हो सकता है इसलिए इससे बचें। साथ ही इस आवेदन में भरी जानकारी के बारे में भी अच्छी तैयारी कर लेनी चाहिए।
- (d) **साक्षात्कार दे चुके अभ्यर्थियों से चर्चा**—साक्षात्कार होने के कुछ दिन बाद यदि आपकी साक्षात्कार तिथि है तो पूर्व के दिनों में साक्षात्कार दे चुके 2-4 जानकार अभ्यर्थियों से उनके साक्षात्कार के संबंध में फोन पर या रूबरू चर्चा करनी चाहिए। इससे बोर्ड द्वारा किस प्रकृति के प्रश्न अधिकतर अभ्यर्थियों से पूछे जा रहें हैं इसकी जानकारी हो जाती है तथा उन्हें भी अपनी तैयारी में उन बातों का समावेश कर लेना चाहिए लेकिन निरंतर अधिक से अधिक अभ्यर्थियों से जानकारी प्राप्त करके ना तो अपनी तैयारी का समय बर्बाद करना चाहिए एवं ना ही कम्प्यूज होना चाहिए। अपने टाइम टेबल के मुताबिक अपनी भी तैयारी करते रहना चाहिए।
- (e) **साक्षात्कार के दौरान ड्रेस**—साक्षात्कार के दौरान पहनी जाने वाली ड्रेस का चयन भी सावधानी से करना चाहिए। पहनी हुई ड्रेस एवं आपकी बॉडी लैंग्वेज बोर्ड के समक्ष आपका फर्स्ट इंप्रेशन है इसलिए अभ्यर्थी को ऐसी ड्रेस पहननी चाहिए जिसमें उसके व्यक्तित्व एवं पृष्ठभूमि की झलक हो तथा जिसमें आप आरामदायक एवं आत्मविश्वास युक्त नजर आए। जो अभ्यर्थी कभी ब्लेजर और टाई नहीं पहनते हो तथा साक्षात्कार के कुछ दिन पहले या उस दिन पहन कर असहज महसूस करे इससे अच्छा है उन्हें ऐसे कपड़े नहीं पहनने चाहिए। उन्हें हल्के रंग के शर्ट एवं पेट पहनना चाहिए। महिला अभ्यर्थी को साड़ी या अन्य आरामदायक ड्रेस पहननी चाहिए। पहनी गई ड्रेस स्वच्छ एवं सादगीपूर्ण हो।
- (f) **सफल अभ्यर्थियों से मार्गदर्शन या उनके साक्षात्कार सुनना**—यदि पहली बार साक्षात्कार दे रहें हैं तो अभ्यर्थी को उस परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों से मिलकर उनसे मार्गदर्शन लेना चाहिए लेकिन ऐसा संभव नहीं है तो मासिक पत्रिकाओं में छपे साक्षात्कार या यूट्यूब चैनल पर मौजूद उनके अभ्यास साक्षात्कार के कुछ विडियो जरूर सुनने चाहिए जिससे उसे साक्षात्कार प्रक्रिया, प्रश्न पूछने एवं उत्तर देने का तरीका, मूल्यांकन एवं सावधानियों की जानकारी होगी जो उसकी तैयारी में उपयोगी रहेगी।
- (g) **व्यायाम एवं योग**—साक्षात्कार की तैयारी के दौरान अपने स्वास्थ्य पर भी बराबर ध्यान देना चाहिए। प्रतिदिन योग, व्यायाम, ध्यान, खेल, भ्रमण आदि में से एक या दो गतिविधि नियमित रूप से करनी चाहिए जिससे स्वास्थ्य तन्दुरुस्त रहेगा एवं अभ्यर्थी के भारीर में चुस्ती फुर्ती तथा चेहरे पर उमंग-उत्साह झलकेगा। यह अभ्यर्थी के व्यक्तित्व में सकारात्मकता का संचार करेगा। अभ्यर्थी स्वयं को ऊर्जावान, प्रसन्नचित एवं स्वतस्फूर्त महसूस करेगा। उस दौरान सकारात्मक साहित्य पढ़ना, संगीत सुनना, सकारात्मक कथन युक्त ऑडियो सुबह-शाम सुनना या अन्य कोई गतिविधि जिससे आप स्वयं को ऊर्जावान अनुभव करें वह जरूर करें। केवल पुस्तकों को पढ़ना ही साक्षात्कार की तैयारी नहीं है। आपकी कोई हॉबी है तो उसे निरंतर अवसर करें।
- (h) **दस्तावेज संकलन**—साक्षात्कार के दौरान चाहे गए सभी दस्तावेज जो मौजूद हैं या जिन्हें नया बनवाना है या नवीनीकरण करवाना है उनको समय पूर्व तैयार कर लेना चाहिए। इनको अपनी फाइल में रख लेना चाहिए ताकि अंतिम समय ऐसी कोई समस्या के कारण अनावश्यक चिंता या परेशानी नहीं हो। निर्धारित तिथि से एक या दो दिन पूर्व साक्षात्कार स्थल पर पहुँच जाना चाहिए।
- (ग) **साक्षात्कार के दौरान रखी जाने वाली सावधानियाँ**—
- (i) साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किए जाने पर साक्षात्कार कक्ष में प्रवेश करने हेतु बोर्ड से आज्ञा प्राप्त कर अन्दर जाकर बहुत ही सहजता से बोर्ड को अभिवादन करें। आज्ञा पाकर सामने रखी कुर्सी पर बैठ जाए तथा मन में किसी भी प्रकार की घबराहट, जल्दबाजी आदि का ना तो अनुभव करें ना ही ऐसा आभास होने दे। साक्षात्कार बोर्ड हमेशा सहयोगात्मक रवैया रखता है इसलिए डर, भय, असफलता की आशंका, कठिन प्रश्न की संभावना आदि अपने मन में कतई नहीं रखें। बोर्ड को उपयुक्त व्यक्ति की तलाश है एवं आप भी उपयुक्त व्यक्तियों में से एक जरूर है इसलिए बोर्ड आपके प्रति सकारात्मक ही रहेगा।
- (ii) आपने जिस माध्यम में परीक्षा दी है उसी माध्यम में साक्षात्कार दे सकते हैं लेकिन यदि आप हिन्दी माध्यम से है तथा अंग्रेजी में भी आपकी अभिव्यक्ति अच्छी है तो किसी सदस्य द्वारा अंग्रेजी में प्रश्न पूछने पर उसका उत्तर अंग्रेजी में दिया जा सकता है। साक्षात्कार में आपको सर्वप्रथम अध्यक्ष या अध्यक्ष की अनुमति से किसी भी सदस्य द्वारा प्रश्न पूछे जाते हैं तब आप बोर्ड के प्रश्न को ध्यान से सुने, प्रश्न पूछने के मंतव्य को समझकर

थोड़ा रुककर विन्नम भाषा में अपना संक्षिप्त उत्तर दे। उत्तर देने के दौरान आपका ध्यान प्रश्न पूछने वाले सदस्य की ओर होना चाहिए। बोर्ड द्वारा पूछे गए प्रश्न को स्वयं द्वारा नहीं दोहराना चाहिए। प्रश्न का लम्बा चौड़ा उत्तर देने से आपको लगता है मानो आपको सब कुछ आ रहा है लेकिन इससे बचना चाहिए क्योंकि कई बार लम्बे उत्तर से अभ्यर्थी स्वयं ही उलझ जाता है। कई बार अभ्यर्थी वह अपने उत्तर में भी ऐसी कोई बात कह देता है जिसकी पूरी जानकारी नहीं होती है उससे संबंधित प्रश्न पूछने पर वह अटक जाता है इसलिए जितना पूछा जाए उतना ही उत्तर दे।

- (iii) प्रश्न का उत्तर जहाँ तक हो सके मौलिक एवं सरल भाषा में देना चाहिए। किसी पुस्तक या नोट्स की रटी रटाई भाषा के बजाय अपनी भाषा में उत्तर दे। किसी समस्या या मुद्दे के कारण या समाधान के बारे में पूछा जाता है तो अपनी तरफ से मौलिकता युक्त बातें बतावें। स्वयं के विचार, राय एवं दृष्टिकोण से बोर्ड को अवगत करावें। इसी से आपका मूल्यांकन होगा। उत्तर में झूठ कदापि नहीं बोले। सत्यता एवं शालीनता के साथ अपने विचार रखें।
- (iv) साक्षात्कार के दौरान अपनी बॉडी लैंग्वेज अर्थात् हावभाव को सकारात्मक रखें। ज्यादा हाथों का इशारा करना, मुँह व आँखों के विभिन्न प्रकार के रूप बनाना, हाथ-पैरों में कंपन, शरीर ज्यादा अकड़ा हुआ या ज्यादा ढीला होना, पसीना आना, गला रुँधना आदि नकारात्मक बॉडी लैंग्वेज के संकेत हैं ऐसा करने के बजाय चेहरे पर हल्की मुस्कान, तनाव रहित सामान्य स्थिति में शरीर, हाथ टेबल के नीचे रखकर आरामदायक स्थिति में मध्यम आवाज में सहज एवं सौम्य भाव से अपने प्रश्न के उत्तर देने चाहिए।
- (v) बोर्ड द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों के सही-सही उत्तर आना जरूरी नहीं है। साक्षात्कार में किसी प्रश्न का या लगातार कुछ प्रश्नों के उत्तर नहीं आ रहें तो आप ईमानदारी के साथ स्वीकार कर ले कि उसे इसके बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है लेकिन आपसे कहा जाए कि आप अनुमान से बताएँ तब आप अनुमान से उत्तर दे सकते हैं। यदि किसी प्रश्न के सही उत्तर की जानकारी नहीं है, फिर भी आप गलत उत्तर देते जा रहें हैं तो उसे बोर्ड द्वारा नकारात्मक लिया जाएगा। उत्तर नहीं आने पर विनम्रता से मना करते हुए शांत भाव से अगले प्रश्न का इंतजार करें तथा ज्यादा विचलित भी नहीं हों। यहाँ पर आपके भावनात्मक एवं संवेगात्मक पक्ष की भी परीक्षा होती है। व्यक्ति प्रत्येक प्रश्न या विषय की सम्पूर्ण जानकारी नहीं रख सकता है इसलिए उत्तर नहीं आने पर धैर्य रखें। यह ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है कि आपने कितने प्रश्नों के सही उत्तर दिए एवं कितने प्रश्नों के लिए आपने मना किया लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि आपने जितने उत्तर दिए उनमें आपकी अभिव्यक्ति शैली, संचार कौशल, उच्चारण शुद्धि, आत्मविश्वास आदि कैसा था। बोर्ड के लिए ये बिन्दु ज्यादा निर्णायक होते हैं।
- (vi) सकारात्मक सोच के साथ साक्षात्कार हेतु बोर्ड कक्ष में प्रवेश करना चाहिए। पिछली बार आप इसी परीक्षा में असफल हुए हो लेकिन हर बार बोर्ड, समय एवं परिस्थितियाँ अलग-अलग होती हैं। नकारात्मक विचारों के बजाय सकारात्मक सोच के साथ अच्छे परिणाम की आशा करते हुए साक्षात्कार हेतु जावें तथा साक्षात्कार दें। बोर्ड के प्रश्नों का आत्मविश्वास के साथ अपने तर्क व उदाहरण सहित उत्तर दें। लेकिन कभी भी अपनी बात या तथ्य के लिए बोर्ड से अति आत्मविश्वास में तर्क नहीं करें। अनुभवी विशेषज्ञों के समक्ष आपका यह अति आत्मविश्वास कदापि घातक साबित हो सकता है। आपनी बात पर अड़ने के बजाय विनम्रता से गलती को स्वीकार करने से भी आप उनका दिल जीत सकते हैं। कभी भी बोर्ड के सदस्यों को अपने से कम ज्ञानी समझकर उनके प्रश्नों को हल्के में नहीं लें। उनके प्रश्नों को पूरा सम्मान दें तथा उनके प्रश्नों का गंभीरता से उत्तर दें।
- (vii) साक्षात्कार के दौरान बोर्ड द्वारा अभ्यर्थी के नजरिये एवं विचारधारा का पता करने हेतु राजनीतिक दलों, शासनरत सरकारों या विपक्षी दलों, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक विचारकों एवं विचारधाराओं, सरकारी योजनाओं, सरकार की कथित सफलताओं-असफलताओं के बारे में भी पूछा जा सकता है। इस संबंध में अभ्यर्थी को पूर्व में ही ऐसे संभावित प्रश्नों को तैयार करना चाहिए। उसका संतुलित, निष्पक्ष तथा संविधान व शासन की भावनाओं के अनुरूप उत्तर देना चाहिए तथा बोर्ड के समक्ष अपनी राजनीतिक सामाजिक विचारधारा का प्रकटन नहीं करना चाहिए। यदि आपके द्वारा किसी नीति-निर्णय-विचारधारा या सिद्धान्त का समर्थन या

विरोध किया जाता है तो उसका आधार होना चाहिए ताकि बोर्ड के समक्ष तर्क सहित अपनी बात रखी जा सके लेकिन इसके लिए बोर्ड के साथ कभी भी वाद-विवाद में नहीं उलझना चाहिए। संविधान के प्रावधानों, संवैधानिक संस्थाओं, माननीय न्यायालय आदि को अपने उत्तर में सम्मान देना चाहिए।

(viii) साक्षात्कार के दौरान स्थिति परक (Situational) प्रश्न भी पूछे जाते हैं। एक स्थिति का वर्णन करके पूछा जाता है कि यदि आप वहाँ होते तो क्या निर्णय लेते। इसमें बोर्ड अभ्यर्थी की निर्णय क्षमता, नेतृत्व कौशल, पहल करने की क्षमता, ईमानदारी, समय पाबन्दी, निष्पक्षता आदि की परखता है इसलिए ऐसे प्रश्नों के भी अपने व्यावहारिक अनुभव एवं सामान्य समझ का प्रयोग करते हुए संतुलित उत्तर देने चाहिए जिसमें आपके व्यक्तित्व का उपर्युक्त में से कोई गुण झलकना चाहिए। साथ ही आपको ऐसा उत्तर देना चाहिए जिसमें आपकी मौलिकता का भी समावेश हो। ऐसे प्रश्नों के उत्तर देते समय पारिवारिक व सामाजिक रिश्ते, परम्पराएँ, रीतियाँ-रूढ़ियाँ, विचारधारा को अपने ऊपर हावी नहीं होने दे तथा कानून सम्मत एवं लोक कल्याण को दृष्टिगत रखकर निष्पक्ष उत्तर देने का प्रयास करना चाहिए। उत्तर में अच्छे प्रशासक के गुणों जैसे संवेदनशील, कठोर परिश्रमी, समायोजन क्षमता, जवाबदेह आदि की झलक मिलनी चाहिए। आश्वत हो जाए कि उनके समक्ष इन गुणों वाला प्रतिभा सम्पन्न भावी प्रशासक बैठा है तथा उसके चयन के लिए संतुष्ट हो जाए।।

(ix) साक्षात्कार के दौरान कभी-कभी बोर्ड द्वारा उसके द्वारा दिए उत्तर में से विवादास्पद प्रश्न पूछ लिए जाते हैं एवं उत्तर से बोर्ड सहमत नहीं होने पर अभ्यर्थी उत्तेजित हो जाता है या उखड़ जाता है जबकि वे जान बूझकर उसके धैर्य की परीक्षा लेने के लिए ऐसा करते हैं इसलिए ऐसे मौके पर संयम रखे एवं संयमित व्यवहार करें। उत्तरों में ज्यादा लापरवाही या जिम्मेदारी से भागने, प्रश्न या प्रश्न में पूछी गई गंभीर बात को भी हल्के में लेने की गलती नहीं करें बल्कि एक धीर गम्भीर प्रशासक के रूप में स्वयं को पेश करें।

(x) साक्षात्कार समाप्त होने पर जब बोर्ड अध्यक्ष द्वारा आपको धन्यवाद देकर जाने के लिए कहा जाता है तब आप उन्हें धन्यवाद देकर प्रस्थान करें। उपर्युक्त बातों का ध्यान रखते हुए साक्षात्कार की तैयारी कर साक्षात्कार देने से सफलता की संभावना बढ़ जाती है।

(छ) अंतिम चयन : अभ्यर्थी द्वारा मुख्य परीक्षा के 1750 अंकों में प्राप्त अंक एवं साक्षात्कार के 275 अंक कुल 2025 अंकों में से प्राप्त अंकों के आधार पर यू.पी.एस.सी. द्वारा विभिन्न सेवाओं के लिए विज्ञापित पदों के विरुद्ध अनारक्षित एवं आरक्षित वर्ग की समेकित वरीयता चयन सूची जारी की जाती है तत्पश्चात इस चयन सूची के आधार पर अभ्यर्थी द्वारा आवेदन पत्र में भी भरी गई सेवा वरीयता (I.A.S., I.P.S., I.F.S., I.R.S. आदि) अभ्यर्थी की श्रेणी, मेरिट क्रमांक I.A.S. और I.P.S. के केडर समूह में रिक्त पद व वरीयता आदि के आधार पर सेवा आवंटन केन्द्रीय कार्मिक मंत्रालय द्वारा किया जाता है।

- चयनित अभ्यर्थियों (विशेषतः I.A.S., I.P.S., I.F.S., I.R.S.) का फाउंडेशन कोर्स मंसूरी में तथा विभागीय प्रशिक्षण संबंधित अकादमियों में दिया जाता है।
- केन्द्रीय कार्मिक मंत्रालय द्वारा सेवा आवंटन के उपरान्त ही भारतीय प्रशासनिक सेवा (I.A.S.) एवं भारतीय पुलिस सेवा (I.P.S.) के अधिकारियों को केडर आवंटित किया जाता है।